RNI N.- BIHBIL/2022/88070

राष्ट्रीय द्विभाषिक सामाचार पत्र

www. bordernewsmirror.com

बॉर्डर न्यूज मिरर

"खबरों से समझौता नहीं"

पटना, वर्षः 6 , अंकः332, शनिवार, 17 जनवरी 2026 मूल्यः 5:00, पृष्ठः8 9471060219, 9470050309 www.bordernewsmirror@gmail.com

एसएसबी व नेपाल एपीएफ के बीच सीमा सुरक्षा को लेकर कमांडेंट स्तरीय बैठक, आपसी ... 03

विश्व के सबसे बड़े विराट रामायण मंदिर में आज इतिहास रचेगा सहस्त्रलिंगम शिवलिंग... 04

विधु, प्रीति असरानी अभिनीत रत्ना कुमार की रोमांटिक कॉमेडी का... 07

नितिन नवीन के भाजपा अध्यक्ष बनने की आ गई तारीख

- पार्टी ने जारी किया पूरा शेड्यूल, 20 जनवरी को होगी घोषणा

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष के चुनाव की तारीख की घोषणा हो गई है। पार्टी ने बताया है कि निर्वाचन की प्रक्रिया 19 जनवरी से शुरू होकर 20 जनवरी 2026 तक पूरी होगी। बीजेपी ने शुक्रवार को पार्टी के अध्यक्ष पद के चुनाव का विस्तृत शेड्यूल भी जारी किया है। इससे पहले बिहार के पांच बार के विधायक को बीते 14 दिसंबर को भाजपा का राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष नियुक्त किया गया था। अब चुनाव के तारीखों के बाद उनके निर्विरोध चुने जाने की संभावना है क्योंकि पार्टी के किसी अन्य नेता की दावेदारी की संभावना नहीं के बराबर है। पार्टी

ने राष्ट्रीय निर्वाचन अधिकारी और राज्यसभा सांसद के लक्ष्मण द्वारा जारी किए गए चुनाव शेड्यूल के मुताबिक भाजपा चीफ के चुनाव के लिए नॉमिनेशन 19 जनवरी को दोपहर 2 बजे से 4 बजे के बीच भरे जा सकते हैं और उम्मीदवार उसी दिन शाम 5 बजे से 6 बजे के बीच अपना नॉमिनेशन वापस ले सकते हैं। उम्मीदवारों के नामांकन पत्र के साथ दस्तावेजों की जांच 19 जनवरी को शाम 4 बजे से 5 बजे के बीच की जाएगी।

एलओसी के पास फिर दिखे संदिग्ध पाकिस्तानी ड्रोन

- 5 दिन में तीसरी घटना, सेना की फायरिंग के बाद भागे

श्रीनगर (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के पुंछ और सांबा जिलों में गुरुवार शाम को रामगढ़ सेक्टर में लाइन ऑफ कंट्रोल पर पाकिस्तानी ड्रोन मंडराते देखे गए। इसके बाद सेना ने जवाबी कार्रवाई करते हुए अपने एंटी-अनमैन्ड एरियल सिस्टम को एक्टिवेट कर दिया। सेना के सूत्रों के मुताबिक, यह ड्रोन नियमित निगरानी के दौरान नजर आए। पुंछ में एलओसी पर पोस्ट के पास एक ड्रोन देखा गया। इसी तरह, रामगढ़

सेक्टर में इंटरनेशनल बॉर्डर पर एक और ड्रोन देखा गया। पाकिस्तान से लगी बॉर्डर पर सैनिक हाई अलर्ट पर हैं। पिछले पांच दिनों में ड्रोन दिखने की यह तीसरी घटना है। इससे पहले, 13 जनवरी को जम्मू-कश्मीर के राजौरी जिले में दो बार संदिग्ध पाकिस्तानी ड्रोन देखे गए थे। इसके बाद सेना ने फायरिंग की थी। फायरिंग के बाद ड्रोन पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर की ओर लौट गए थे। वहीं 11 जनवरी को नौशेरा सेक्टर, धरमसाल सेक्टर, रियासी, सांबा और पुंछ के मंकोट सेक्टर में एक साथ पांच ड्रोन स्पॉट किए गए थे। एलओसी पर निगरानी और चौकसी और बढ़ा दी गई।

बीजेपी का जादू, ठाकरे का 'किला' ढहा

- 28 साल बाद बीएमसी से आउट हुई ठाकरे की पार्टी
- पूरे महाराष्ट्र निकाय चुनाव में बीजेपी की रही बम-बम
- 29 में से 23 नगर निगमों में बीजेपी और सहयोगी छाए
- मुंबई-नागपुर-पुणे फतह,लातूर-चंद्रपुर में कांग्रेस को बहुमत

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र की 29 नगर निगम के लिए शुक्रवार सुबह 10 बजे से काउंटिंग शुरू हुई। 29 में 23 नगर निगमों बीजेपी गठबंधन ने फतह हासिल कर ली है। मुंबई, पुणे, नागपुर, नासिक में गठबंधन को बड़ी जीत मिली है। सभी निगमों में सबसे अहम बृहन्मुंबई महानगरपालिका है। यहां भाजपा और शिवसेना गठबंधन ने बड़ी जीत दर्ज की है। कोल्हापुर में पहले कांग्रेस को बढ़त मिली थी, लेकिन अब बीजेपी बड़े अंतर से जीत हासिल कर चुकी है। संभाजीनगर में भी बीजेपी ने किला फतह कर लिया है। लातूर और चंद्रपुर में कांग्रेस को जीत मिली है। राज्य में नगर निगम चुनाव के लिए 15 जनवरी को वोटिंग हुई थी। 893 वार्डों में कुल 15,931 उम्मीदवार मैदान में हैं। महाराष्ट्र नगर निगम चुनाव पर बीजेपी के राष्ट्रीय महासचिव तरुण चुघ ने कहा- आज जश्न का दिन है। महाराष्ट्र में सभी नगर समितियों और नगर निगमों के लोगों ने पीएम मोदी की नीतियों, उनके राष्ट्रवाद और विकसित भारत के प्रति उनकी प्रतिबद्धता को आशीर्वाद दिया है। उन्होंने कहा कि यह जीत साफ दिखाती है कि लोग पाकिस्तान की सेना के धुन पर नाचने वालों को अपने वोटों से सबक सिखा रहे हैं। यह नतीजा राष्ट्रवादी ताकतों की जीत है।

महाराष्ट्र नगर निगम चुनाव में भाजपा गठबंधन को मिली बढ़त पर भाजपा नेता सुधांशु त्रिवेदी ने कहा कि- आप सभी ने देखा कि आज बीजेपी गठबंधन ने बीएमसी चुनावों में शानदार जीत हासिल की है। यह दिखाता है कि पीएम मोदी के नेतृत्व में बीजेपी और एनडीए की स्वीकार्यता लगातार बढ़ रही है।

गालीबाजी, लुंगी-पुंगी, कुछ नहीं आया काम

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र निकाय चुनाव 2026 के नतीजे आ गए हैं। बीजेपी ने विधानसभा चुनाव की तरह ही प्रचंड जीत हासिल की है। इस जीत के साथ ही महाराष्ट्र की राजनीति को नया संदेश गया है। नफरती पॉलिटिक्स हीरो रहे राज ठाकरे निकाय चुनाव में खत्म हो गए हैं। मनसे मुंबई महानगरपालिका में तीन से चार सीटें जीतती दिख रही है। मराठी अस्मिता के नाम पर गालीबाजी और लुंगी-पुंगी करने वाले राज ठाकरे के नफरती पॉलिटिक्स को महाराष्ट्र की जनता ने पूरी तरह से खारिज कर दिया है। उनके चक्कर में उद्धव ठाकरे के हाथ भी जल गए हैं। बीएमसी की सत्ता 30 साल बात उद्धव ठाकरे के हाथों से जा रही है। मनसे प्रमुख राज ठाकरे की पहचान महाराष्ट्र की राजनीति में नफरती पॉलिटिक्स को लेकर ही रही है।

अजित पवार के दोनों गढ़ में खिला कमल

महाराष्ट्र में मुंबई से लेकर पश्चिम महाराष्ट्र तक बीजेपी की लहर सामने आई है। राज्य में बीजेपी की अगुवाई वाली महायुति सरकार में डिप्टी सीएम अजित पवार को इन चुनावों में तगड़ा झटका लगा है। अजित पवार की पार्टी ने महायुति को छोड़कर मुंबई में जहां अकेले चुनाव लड़ा था तो वहीं पार्टी ने अपने मजबूत गढ़ पुणे, पिंपरी चिंचवड में वापसी के लिए चाचा (शरद पवार) की अगुवाई वाली एनसीपी से हाथ मिलाया था। इसके बाद सुप्रिया सुले और अजित पवार एक मंच पर सामने आए थे। शरद पवार गुट के विधायक रोहित पवार ने भी पुणे और पिंपरी चिंचवड में खूब चुनाव प्रचार किया था, लेकिन चुनाव नतीजों में दोनों स्थानों पर बीजेपी सत्ता हासिल करने में सफल रही है। पुणे में बीजेपी सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी ह तो वहीं दूसरी एनसीपी का प्रदर्शन काफी कमजोर रहा है। अजित पवार ने 29 महानगरपालिका के चुनावों में सबसे ज्यादा जोर एशिया की सबसे अमीर मानी जाने वाली पिंपरी चिंचवड महानगरपालिका के लिए लगाया था। चुनाव प्रचार में उन्होंने बीजेपी पर भ्रष्टाचार तक के आरोप भी लगाए थे, लेकिन पिंपरी चिंचवपड में अजित पवार की पार्टी 40 से कम सीटों पर सिमट गई।

रिस्क लेने वालों को अब रिस्पेक्ट मिलती है

- पीएम बोले-10 साल पहले देश में 500 से भी कम स्टार्टअप थे, आज ये संख्या 2 लाख से ज्यादा

नई दिल्ली (एजेंसी)। नेशनल स्टार्टअप डे के अवसर पर पीएम मोदी ने कहा कि 10 साल पहले देश में 500 से भी कम स्टार्टअप थे, आज ये संख्या बढ़कर 2 लाख से ज्यादा हो गई है। उन्होंने बताया कि बीते दशकों में हमने डिजिटल स्टार्टअप्स और सर्विस सेक्टर में काफी शानदार काम किया है। अब समय है कि हमारे स्टार्टअप्स मैन्युफैक्चरिंग पर और ज्यादा ध्यान दें। हमें नए प्रोडक्ट्स बनाने होंगे। पीएम मोदी ने कहा कि हमें दुनिया के बेस्ट क्वालिटी के प्रोडक्ट्स बनाने होंगे। टेक्नोलॉजी में भी यूनिक आइडियाज पर काम करके लीड लेनी होगी। भविष्य इसी का है। मैं आपको भरोसा देता हूं, आपके हर प्रयास में सरकार आपके साथ खड़ी है। स्टार्टअप इंडिया केवल एक स्कीम नहीं, बल्कि एक रेनबो

विजन है। ये अलग-अलग सेक्टर्स को नई अपॉर्चुनिटी से जोड़ने का जरिया है। रिस्क-टेकिंग पर मैं जोर देता रहा हूं, क्योंकि ये मेरी भी पुरानी आदत है। जो काम कोई करने को तैयार नहीं होता, जिन कामों को दशकों से पहले की सरकारों ने नहीं छुआ, क्योंकि उनमें चुनाव हारने और कुर्सी जाने का डर था। मैं उन कार्यों को अपना दायित्व समझकर जरूर करता हूं।

आज रिस्क-टेकिंग, मैनस्ट्रीम बन चुका है

आज रिस्क-टेकिंग, मैनस्ट्रीम बन चुका है। मंथली सैलरी से आगे सोचने वालों को अब केवल एक्सेप्ट ही नहीं किया जाता, उन्हें अब रिस्पेक्ट किया जाता है। जिन रिस्क-टेकिंग आइडियाज को पहले लोग फ्रींज मानते थे, वो अब फेशन बन रहे हैं। 10 साल पहले देश में 500 से भी कम स्टार्टअप थे, आज ये संख्या बढ़कर दो लाख से ज्यादा हो गई है। 2014 में भारत में सिर्फ 4 यूनिकॉर्न थे, आज भारत में करीब सवा सौ सक्रिय यूनिकॉर्न हैं। दुनिया भी आज इस सक्सेस स्टोरी को हैरानी से देख रही है। आने वाले समय में जब भारत की सक्सेस स्टोरी की बात होगी, तब युवा खुद साबित करेंगे।

- **यह कितने ही सपनों के साकार होने की यात्रा** -ये कितने ही सपनों के साकार होने की यात्रा है। आज से 10 साल पहले, विज्ञान भवन में 500-700 नौजवानों के बीच इस कार्यक्रम की शुरुआत की थी। उस समय स्टार्टअप की दुनिया में जो नए-नए लोग आ रहे थे, उनके अनुभव मैं सुन रहा था और मुझे याद है एक बेटी, जो कॉरपोरेट वर्ल्ड से अपनी नौकरी छोड़कर स्टार्टअप की तरफ जा रही थी। नौकरी छोड़कर वो कोलकाता अपनी मां से मिलने गई और मां से कहा कि मैंने नौकरी छोड़ दी है।

यूपीए सरकार के 2 और कानून में होगा बदलाव

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्र सरकार मनरेगा के बाद यूपीए सरकार के समय बने दो बड़े कानूनों- शिक्षा का अधिकार और खाद्य सुरक्षा कानून में सुधार करने की तैयारी कर रही है। सरकार चाहती है कि इन योजनाओं का लाभ हर सही व्यक्ति तक पहुंचे और सभी लाभार्थियों का रजिस्ट्रेशन हो। सरकार पहले नियमों और आदेशों से सुधार करने की कोशिश करेगी। अगर इससे बात नहीं बनी, तो संसद में नए कानून (बिल) भी लाए जा सकते हैं। इसके अलावा सरकार यह भी सोच रही है कि लोगों को घर पाने के अधिकार को कानूनी अधिकार बनाया जाए। परामर्श प्रक्रिया से जुड़े एक अधिकारी ने बताया कि मनमोहन सिंह सरकार के समय जो विकास से जुड़े अधिकार बनाए गए थे, उनमें 3 बड़ी कमियां थीं। उन कानूनों से न तो हर बच्चे को सही शिक्षा मिल पाई और न ही हर परिवार तक खाद्य सुरक्षा पहुंची। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का निर्देश है कि सभी लाभार्थियों का पूरा (100 फीसदी) रजिस्ट्रेशन हो। योजनाओं का लाभ सही लोगों तक समय पर और सही तरीके से पहुंचना चाहिए।

डीआरजी दंपति समेत 40 मकानों पर चला बुलडोजर

- 35 और टूटेंगे, बीजापुर में रोते-रोते लोगों ने छोड़ा अपना घर
- बोले-प्रशासन घर तोड़ रहा, गांव जाएंगे तो नक्सली मार देंगे

बीजापुर (एजेंसी)। बीजापुर में न्यू बस स्टैंड के पीछे अब तक 40 अवैध मकान ढहाए जा चुके हैं और कार्रवाई लगातार जारी है। इस दौरान डिस्ट्रिक्ट रिजर्व गार्ड (डीआरजी) दंपती का घर भी तोड़ा गया, जबकि जवान नाइट ड्यूटी पर था। घर में मौजूद उसकी पत्नी के मुताबिक, वे यहां 2006 से रह रहे हैं, और गांव में उनके पास कोई घर नहीं है। कार्रवाई के दौरान कई महिलाओं की रोती हुई तस्वीरें भी सामने आई हैं। महिलाएं सवाल कर रही थीं- हम कहां जाएंगे। पीड़ित गंगा माड़वी का कहना है कि वे अपने परिवार के साथ पिछले 4 सालों से यहां रह रहे हैं। नक्सली हिंसा के कारण वे अपने गांव को छोड़कर यहां आए थे। प्रशासन से बातचीत के बाद उन्होंने घर बनाया और नियमित रूप से टैक्स भी जमा कर रहे थे। अब प्रशासन घरों को तोड़ रहा है। गांव वापस गए तो नक्सली मार देंगे। गंगा के मुताबिक तीन महीने पहले उन्हें मकान खाली करने का नोटिस मिला था, जिस पर मामला कोर्ट में चल रहा है। उन्हें यह भरोसा भी दिलाया गया था कि घर नहीं तोड़ा जाएगा, लेकिन अब अचानक गिराया जा रहा है।

इंदौर में राहुल गांधी की मीटिंग को नहीं मिली मंजूरी

अब सिर्फ बॉम्बे हॉस्पिटल और भागीरथपुरा ही जाएंगे

भोपाल (एजेंसी)। इंदौर के भागीरथपुरा क्षेत्र में दूषित पानी के कारण अब तक 24 लोगों की मौत के बाद हालात का जायजा लेने कांग्रेस सांसद और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी शनिवार 17

जनवरी को इंदौर आ रहे हैं। हालांकि, इस दौरान इंदौर में कांग्रेस नेताओं और नगरीय जनप्रतिनिधियों के साथ प्रस्तावित बैठक को प्रशासन से अनुमति नहीं मिल पाई है। कांग्रेस ने प्रदेशभर के पार्षदों, महापौरों, नगर पालिका और नगर परिषद अध्यक्षों व उपाध्यक्षों के साथ राहुल गांधी की बैठक के लिए अभय प्रशाल और आनंद मोहन माथुर सभागार में कार्यक्रम प्रस्तावित किया था। इसके लिए करीब एक हजार लोगों की मौजूदगी की अनुमति मांगी गई थी, लेकिन जिला प्रशासन ने बैठक को मंजूरी नहीं दी। कांग्रेस के संगठन प्रभारी डॉ. संजय कामले ने बताया कि प्रशासन से अनुमति नहीं मिलने के कारण बैठक को रद्द करना पड़ा है। अब राहुल गांधी का इंदौर दौरा सीमित कार्यक्रम तक ही रहेगा।

वेनेजुएलाई नेता ने अपना नोबेल पुरस्कार ट्रम्प को दिया

मचाडो के प्रेसीडेंट बनने की चर्चा थी,लेकिन ट्रम्प का समर्थन नहीं

वॉशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प ने गुरुवार को व्हाइट हाउस में वेनेजुएला की विपक्षी नेता मारिया कोरिना मचाडो से मुलाकात की। वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो को अगवा करने के बाद यह उनकी किसी भी वेनेजुएलाई नेता से पहली आमने-सामने की मुलाकात थी। मुलाकात के बाद माचाडो ने कहा कि उन्होंने ट्रम्प को नोबेल शांति पुरस्कार का मेडल भेंट किया है।

उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि आज हम वेनेजुएलावासियों के लिए एक ऐतिहासिक दिन है।' बैठक के बाद पत्रकारों से बातचीत में मचाडो ने ट्रम्प को अपना पुरस्कार सौंपने के बारे में बताया, लेकिन उन्होंने दूसरी कोई जानकारी नहीं दी। वहीं, व्हाइट हाउस ने भी यह नहीं बताया कि ट्रम्प ने मेडल स्वीकार किया या नहीं। व्हाइट हाउस छोड़ने के बाद मचाडो ने बाहर जुटे समर्थकों से स्पेनिश में कहा, हम राष्ट्रपति ट्रम्प पर भरोसा कर सकते हैं। हालांकि, ट्रम्प ने अब तक माचाडो को वेनेजुएला की नई नेता के रूप में समर्थन नहीं दिया है। इसकी बजाय वे वेनेजुएला की कार्यवाहक राष्ट्रपति डेल्सी रोड्रिग्ज के साथ काम कर रहे हैं।

पदक के मालिक बदल सकते हैं, लेकिन उपाधि नहीं

ट्रम्प हमेशा नोबेल शांति पुरस्कार लेने की इच्छा जताते रहे हैं। जब यह मचाडो को मिला तो उन्होंने नाराजगी जताई। दूसरी ओर नोबेल कमेटी ने पहले कहा था कि नोबेल पुरस्कार की घोषणा हो जाने के बाद इसे रद्द नहीं किया जा सकता। न ही इसे साझा किया जा सकता है और न ही किसी और को हस्तांतरित किया जा सकता है। यह निर्णय अंतिम है और हमेशा के लिए मान्य रहेगा। वहीं, गुरुवार को व्हाइट हाउस में हुई बैठक से पहले नोबेल संस्थान ने एक्स पर पोस्ट कर बताया कि एक पदक के मालिक बदल सकते हैं, लेकिन नोबेल शांति पुरस्कार विजेता की उपाधि नहीं बदल सकती। अक्टूबर 2025 में मचाडो को नोबेल शांति पुरस्कार से सम्मानित किया गया। उन्हें 'वेनेजुएला के लोगों के लोकतांत्रिक अधिकारों के लिए उनके प्रयासों और तानाशाही से शांतिपूर्ण लड़ाई' के लिए यह सम्मान मिला था।

मचाडो बोली-

वॉशिंगटन के उत्तराधिकारी को मेडल लौटाया- मचाडो ने ट्रम्प को नोबेल पुरस्कार देते हुए 1825 में अमेरिकी स्वतंत्रता संग्राम के हीरो मार्क्विस डे लाफायेट का उदाहरण दिया। उन्होंने कहा, 200 साल पहले मार्क्विस डे लाफायेट ने जॉर्ज वॉशिंगटन की तस्वीर वाला मेडल साइमन बोलिवर को दिया था, जो अमेरिका और वेनेजुएला के बीच स्वतंत्रता की लड़ाई में भाईचारे का प्रतीक था। अब, बोलिवर के लोगों ने वॉशिंगटन के उत्तराधिकारी (ट्रम्प) को नोबेल मेडल लौटाया है।

लाफायेट ने दक्षिण अमेरिका के आजादी के नेता साइमन बोलिवर को एक खास सोने का पदक भेजा। इस पदक पर अमेरिका के पहले राष्ट्रपति जॉर्ज वॉशिंगटन की तस्वीर बनी हुई थी। यह तोहफा दोनों देशों के बीच भाईचारे और तानाशाही के खिलाफ साझा लड़ाई का प्रतीक था। बोलिवर ने इस पदक को बहुत सम्मान दिया और इसे हमेशा पहनते रहे। वेनेजुएला के लोग खुद को बोलिवर के वंशज मानते हैं।

मुख्यमंत्री ने समृद्धि यात्रा-2026 के दौरान पश्चिम चम्पारण जिले में चल रही विकासात्मक योजनाओं की समीक्षा बैठक की

एजेंसी

पटना।मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने आज पश्चिम चंपारण जिले के बेतिया में समृद्धि यात्रा-2026 के तहत रमना मैदान में आयोजित कार्यक्रम के दौरान रिमोट का बटन दबाकर 153 करोड़ रुपये की 125 योजनाओं का शिलान्यास एवं 29 करोड़ रुपये की 36 योजनाओं का शिलापट्ट अनावरण कर उद्घाटन किया। मुख्यमंत्री ने प्रगति यात्रा के दौरान घोषित विभिन्न योजनाओं के क्रियान्वयन के बारे में अधिकारियों से जानकारी ली। इसके पश्चात् मुख्यमंत्री ने किसान मेला सह कृषि यंत्र प्रदर्शनी का उद्घाटन किया एवं लगायी गयी प्रदर्शनी का अवलोकन किया। इसके पश्चात् मुख्यमंत्री ने समृद्धि यात्रा-2026 के दौरान पश्चिम चम्पारण जिले में चल रही विकासात्मक योजनाओं की समीक्षा बैठक की। रमना मैदान में आयोजित समीक्षा बैठक के दौरान पश्चिम चंपारण के जिलाधिकारी श्री तरणजोत सिंह ने प्रगति यात्रा से संबंधित योजनाओं, सात निश्चय-2 की योजनाओं तथा सात निश्चय-3 की योजनाओं के क्रियान्वयन के संबंध में प्रस्तुतीकरण के माध्यम से मुख्यमंत्री को विस्तृत जानकारी दी। जिलाधिकारी ने जिला में किए जा रहे अन्य विकास कार्यों की जानकारी दी। समीक्षा के दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रगति यात्रा से संबंधित जिन योजनाओं की स्वीकृति दी गई है, उनका क्रियान्वयन तेजी से करें। सात निश्चय-2 के तहत जो योजनाएं चलाई जा रही हैं उनका बेहतर ढंग से क्रियान्वयन करें। उन्होंने कहा कि सात निश्चय-3 के तहत जो योजनाएं निर्धारित की गई हैं उस पर बेहतर ढंग से कार्य शुरू करें। मुख्यमंत्री ने कहा कि आप सबको मालूम है कि 20 नवंबर 2025 को

राज्य में नई सरकार के गठन के कुछ ही दिनों बाद हमलोगों ने राज्य को देश के सर्वाधिक विकसित राज्यों की श्रेणी में शामिल करने हेतु सात निश्चय-3 के कार्यक्रमों को लागू किया है। सात निश्चय-3 के सातवें निश्चय 'सबका सम्मान-जीवन आसान' (Ease of Living) का मुख्य मकसद राज्य के सभी नागरिकों के दैनिक जीवन में आने वाली कठिनाइयों को कम कर उनके जीवन को और भी आसान बनाना है। इसे लेकर हमलोग लगातार महत्वपूर्ण निर्णय ले रहे हैं। कई बार ऐसा देखा गया है कि आम लोग जब अपनी समस्याओं को लेकर सरकारी कार्यालय पहुंचते हैं तो अधिकारी उपस्थित नहीं रहते हैं, जिसके कारण उन्हें असुविधा होती है। इसे देखते हुए अब राज्य के आमजनों को सरकारी कार्यालयों से संबंधित कार्यों में किसी प्रकार की कठिनाई का सामना न करना पड़े, इसे लेकर

» अधिकारियों को दिये आवश्यक दिशा-निर्देश
» मुख्यमंत्री ने पश्चिम चंपारण जिले के लिए 153 करोड़ रुपये की 125 योजनाओं का शिलान्यास
» 29 करोड़ रुपये की 36 योजनाओं का किया उद्घाटन
» प्रत्येक सप्ताह में सोमवार एवं शुक्रवार को सभी सरकारी कार्यालयों में आमलोगों की शिकायतों के निष्पादन हेतु संबंधित पदाधिकारी 19 जनवरी, 2026 से निर्धारित कार्यस्थल ,कार्यालय में उपस्थित रहेंगे

महत्वपूर्ण कदम उठाए गए हैं। प्रत्येक सप्ताह के दो कार्य दिवस (सोमवार एवं शुक्रवार) को ग्राम पंचायत, थाना, अंचल, प्रखंड, अनुमंडल, जिला, प्रमंडल एवं राज्य के सभी सरकारी कार्यालयों में आमलोग अपनी शिकायतों के निष्पादन के लिए संबंधित पदाधिकारी से उनके निर्धारित कार्यस्थल / कार्यालय कक्ष में मिलेंगे। निर्धारित दोनों दिवसों पर सभी संबंधित पदाधिकारी अपने-अपने कार्यालय में उपस्थित होकर लोगों से सम्मानपूर्वक मिलेंगे और उनकी शिकायतों को संवेदनशीलता के साथ सुनकर उसका त्वरित निराकरण करेंगे। सभी सरकारी कार्यालयों में आगंतुकों को सम्मानपूर्वक बैठाने एवं मिलने के साथ-साथ उनके लिए जरूरी सुविधाओं जैसे पेयजल, शौचालय आदि की व्यवस्था की जाएगी। आगंतुकों से प्राप्त शिकायतों की पंजी का संधारण किया जाएगा एवं शिकायतों के सतत् अनुश्रवण की व्यवस्था भी सुनिश्चित की जाएगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह व्यवस्था 19 जनवरी 2026 से प्रभावी ढंग से लागू करें। इसके लागू होने से आमजनों को काफी सुविधा होगी और उनकी समस्याओं का समाधान तेजी से हो सकेगा। हमलोग राज्य के सभी नागरिकों की सुविधाओं का ख्याल रख रहे हैं। उनके जीवन को आसान और विकसित बनाने के लिए लगातार काम कर रहे हैं। सभी अधिकारी पूरी प्रतिबद्धता और संवेदनशीलता के साथ योजनाओं को क्रियान्वित कर पूर्ण करें ताकि बिहार देश के सर्वाधिक विकसित राज्यों की श्रेणी में शामिल हो सके। समीक्षा बैठक में उप मुख्यमंत्री श्री सम्राट चौधरी, उप मुख्यमंत्री श्री विजय कुमार सिन्हा, जल संसाधन सह संसदीय कार्य मंत्री श्री विजय कुमार चौधरी, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव श्री दीपक कुमार, मुख्य सचिव श्री प्रत्यय अमृत, पुलिस महानिदेशक श्री विनय कुमार, संबद्ध विभागों के अपर मुख्य सचिव/प्रधान सचिव/सचिव, मुख्यमंत्री के विशेष कार्य पदाधिकारी श्री गोपाल सिंह, तिरहुत प्रमंडल के आयुक्त श्री गिरिवर दयाल सिंह, चंपारण प्रक्षेत्र के पुलिस उप महानिरीक्षक श्री हरकिशोर राय, पश्चिम चंपारण के जिलाधिकारी श्री तरणजोत सिंह, पुलिस अधीक्षक, बेतिया श्री शौर्य सुमन, बगहा के पुलिस अधीक्षक श्री रामानंद कौशल सहित अन्य वरीय अधिकारी उपस्थित थे।

संक्षिप्त समाचार

बिहार विधान सभा डायरी एवं कैलेंडर–2026 का अध्यक्ष डॉ. प्रेम कुमार ने किया विमोचन

पटना। बिहार विधान सभा के माननीय अध्यक्ष डॉ. प्रेम कुमार ने बुधवार को अपने कार्यालय कक्ष में बिहार विधान सभा डायरी–2026, टेबल कैलेंडर–2026 एवं वॉल कैलेंडर–2026 का विमोचन किया। इस अवसर पर उन्होंने बताया कि पहली बार विधान सभा सचिवालय द्वारा माननीय सदस्यों के लिए टेबल कैलेंडर का प्रकाशन किया गया है। अध्यक्ष ने कहा कि विधान सभा डायरी को नए स्वरूप में प्रकाशित किया गया है, जिसमें महत्वपूर्ण बदलाव किए गए हैं, जिससे सदस्यों को लाभ मिलेगा। इस मौके पर विधान सभा की प्रभारी सचिव श्रीमती ख्याति सिंह एवं संयुक्त निदेशक संजय कुमार सिंह उपस्थित रहे।

महाराष्ट्र नगर निगम चुनाव में भाजपा की जीत नेतृत्व और विश्वास का प्रमाण : संजय सरावगी

पटना।बिहार भाजपा अध्यक्ष संजय सरावगी ने महाराष्ट्र नगर निगम चुनाव में भाजपा की जीत को नेतृत्व, संगठन और जनता के विश्वास की जीत बताया। उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र की जनता ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व, उनकी नीतियों और राज्य सरकार के विजन पर भरोसा जताया है। सरावगी ने कहा कि युवाओं ने विकास और विकसित भारत के संकल्प के पक्ष में मतदान किया है, जबकि नकारात्मक और गुमराह करने वाली राजनीति को जनता ने नकार दिया। उन्होंने इस जीत का श्रेय पार्टी के समर्पित कार्यकर्ताओं को देते हुए महाराष्ट्र की जनता का आभार जताया।

गांधी की धरती से समृद्ध बिहार का संकल्प, पश्चिम चंपारण से नीतीश कुमार ने फूंका विकास का बिगुल : जदयू

पटना। जदयू प्रदेश प्रवक्ता परिमल कुमार, प्रदेश प्रवक्ता हिमराज राम एवं मीडिया पैनलिस्ट डा मधुरेंदु पांडेय ने मीडिया में जारी बयान में कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की बिहार भर की ऐतिहासिक समृद्धि यात्रा की शुरूआत राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की कर्मभूमि पश्चिम चंपारण से हुई, जो अपने आप में विशेष महत्व रखती है। पश्चिम चंपारण आगमन के अवसर पर मुख्यमंत्री ने जिले के समग्र विकास को गति देने हेतु 153 करोड़ की लागत से 125 विकास योजनाओं का शिलान्यास किया तथा 29 करोड़ की लागत से पूर्ण हुई 36 योजनाओं का उद्घाटन किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने जिलान्तर्गत संचालित विभिन्न विकासात्मक एवं कल्याणकारी योजनाओं की गहन समीक्षा की और अधिकारियों को समयबद्ध व गुणवत्तापूर्ण क्रियान्वयन के स्पष्ट निर्देश दिए। उन्होंने किसानों की आय बढ़ाने और आधुनिक कृषि को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से किसान मेला-सह-कृषि यांत्रिकीकरण प्रदर्शनी का उद्घाटन किया, जहां नवीनतम कृषि तकनीकों और यंत्रों की जानकारी किसानों को उपलब्ध कराई गई। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने औद्योगिक विकास को बढ़ावा देने के क्रम में औद्योगिक क्षेत्र, कुमारबाग का भ्रमण एवं निरीक्षण किया तथा वहां उपलब्ध आधारभूत संरचनाओं और निवेश की संभावनाओं का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने कहा कि कुमारबाग में ओद्योगिक क्षेत्र की स्थापना कर नए उद्योग, बंद पड़ी चनपटिया चीनी मिल को किसानों के लिए फिर से चालू किया जाएगा। डेयरी को बढ़ावा देने के लिए जिले के 434 गांव में दुग्ध उत्पादन समितियों का गठन किया जाएगा। बेतिया शहर अस्पताल को अति विशिष्ट अस्पताल बनाया जाएगा। खेलों के लिए यहां सेंटर ऑफ एक्सीलेंस की स्थापना की जाएगी।

उपसचिव और प्रशाखा पदाधिकारी को कारण बताओ नोटिस जारी

पटना।एक कार्यपालक पदाधिकारी की संचिका ससमय उपस्थापित नहीं करने और इस कार्य का पर्यवेक्षण नहीं करने के आरोप में नगर विकास विभाग ने एक उपसचिव और एक प्रशाखा पदाधिकारी तथा सहायक प्रशाखा पदाधिकारी को कारण बताओ नोटिस जारी किया है। उपमुख्यमंत्री -सह- नगर विकास एवं आवास विभाग के मंत्री विजय कुमार सिन्हा ने शुक्रवार की शाम विभागीय बैठक के दौरान ये आदेश दिए। उपमुख्यमंत्री जब विभाग की बैठक कर रहे थे उसी दौरान उनके संज्ञान में आया कि कार्यपालक पदाधिकारी कुमार ऋत्विक की विभाग में योगदान नहीं करने की संचिका उपस्थापित करने में विलम्ब हुआ है। इस बारे में पूछताछ करने पर विभाग के तीनों कर्मियों की लापरवाही सामने आई। श्री सिन्हा ने तुरंत आदेश किया कि संचिका ससमय उपस्थापित नहीं करने के लिए प्रशाखा पदाधिकारी उमेश्वर कुमार सिंह और सहायक प्रशाखा पदाधिकारी जितेन्द्र कुमार पांडेय से कारण पृच्छा की जाए। साथ ही, उन्होंने आदेश दिया कि इस कार्य का पर्यवेक्षण नहीं करने के लिए उपसचिव राजीव रंजन तिवारी से भी स्पष्टीकरण पूछा जाए।

मुख्यमंत्री ने पश्चिम चंपारण जिला से समृद्धि यात्रा-2026 की शुरुआत की

एजेंसी

पटना।मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने आज समृद्धि यात्रा की शुरुआत करते हुए पश्चिम चंपारण जिले के चनपटिया प्रखंड के कुमारबाग औद्योगिक क्षेत्र का भ्रमण किया। इस दौरान मुख्यमंत्री ने कुमारबाग स्थित निर्माणाधीन वर्धन सी०बी०जी० प्लांट का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने मुख्यमंत्री को बताया कि यह जल्द शुरू हो जाएगा। इसके बाद मुख्यमंत्री ने विशेष आर्थिक क्षेत्र, कुमारबाग का निरीक्षण किया तथा वहां निर्माण कराई जाने वाली विभिन्न औद्योगिक इकाइयों को भी देखा। मुख्यमंत्री ने प्राइमरी प्रोसेसिंग सेंटर, कुमारबाग का शिलापट्ट अनावरण कर उद्घाटन किया एवं कुमारबाग स्थित कामकाजी महिला छात्रावास के भवन का शिलान्यास किया। मुख्यमंत्री ने मुख्यमंत्री उद्यमी योजना के तहत व्यवसाय शुरू करने

वाले उद्यमियों के विभिन्न उत्पादों का निरीक्षण किया। स्टॉल निरीक्षण के दौरान उन्होंने खाद्य उत्पाद, गारमेंट्स, फ्लाई ऐश ब्रिक्स और बाथिंग लग्जरी आदि से जुड़े स्टॉलों को देखा। मुख्यमंत्री ने वहां मौजूद उद्यमियों से उत्पाद निर्माण, लाभ और गुणवत्ता के बारे में विस्तृत जानकारी ली। मुख्यमंत्री ने कुमारबाग में कार्यरत विभिन्न औद्योगिक इकाइयों का निरीक्षण कर वहां निर्मित होने वाले उत्पादों की जानकारी ली। मुख्यमंत्री ने निर्मित उत्पादों की सराहना करते हुये कहा कि यहां औद्योगिक इकाई अच्छी बनी है और सभी लोग अच्छा काम कर रहे हैं। हम चाहते हैं कि सभी लोग आगे बढ़ें, अपना व्यवसाय बढ़ाएं। सरकार उन्हें हरसंभव मदद करेगी। उन्होंने कहा कि उद्यमी और निवेशकों के लिए राज्य सरकार विभिन्न प्रोत्साहन योजनाएं चला रही है ताकि निवेशकों को अनुकूल औद्योगिक वातावरण मिल सके और बेहतर ढंग से उद्योग

» चनपटिया के कुमारबाग में औद्योगिक क्षेत्र का किया भ्रमण, अधिकारियों को दिए निर्देश

स्थापित हो सके। कुमारबाग में विभिन्न औद्योगिक इकाइयां स्थापित की जा रही है, जिससे स्थानीय युवाओं को रोजगार के अवसर प्राप्त हो रहे हैं। इससे इस क्षेत्र का सामाजिक और आर्थिक विकास तेजी से हो रहा है। कुमारबाग एक सशक्त औद्योगिक क्षेत्र के रूप में विकसित हो रहा है। मुख्यमंत्री ने जीविका दीदियों द्वारा लगाए गए विभिन्न स्टॉलों का निरीक्षण किया तथा सरकार की विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों से बातचीत की। जीविका दीदियों ने मुख्यमंत्री को धन्यवाद देते हुए कहा कि आपकी पहल से हमलोगों का जीवन अच्छा हुआ है और हमारा परिवार आगे बढ़ रहा है।

मकर संक्रांति के अवसर पर भाजपा के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष नितिन नवीन द्वारा आयोजित दही-चूड़ा भोज कार्यक्रम में शामिल हुए मुख्यमंत्री

एजेंसी

पटना।मुख्यमंत्री नीतीश कुमार आज मकर संक्रांति के अवसर पर भाजपा के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष नितिन नवीन के आवास 3 टेलर रोड में दही-चूड़ा भोज कार्यक्रम में शामिल हुए। इस अवसर पर श्री नितिन नवीन ने मुख्यमंत्री का स्वागत किया। इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी, उप मुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा, बिहार विधान परिषद के सभापति अवधेश नारायण सिंह, केन्द्रीय गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय, जल संसाधन मंत्री विजय कुमार चौधरी, खाद्य उपभोक्ता संरक्षण मंत्री लेशी सिंह, सांसद रविशंकर प्रसाद, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष संजय सरावगी, जदयू प्रदेश अध्यक्ष उमेश सिंह कुशवाहा सहित अन्य जनप्रतिनिधिगण, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव दीपक कुमार, मुख्यमंत्री के विशेष कार्य पदाधिकारी गोपाल सिंह, बड़ी संख्या में कार्यकर्तागण एवं गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

मकर संक्रांति सादगी, समानता और सौहार्द का प्रतीक : नितिन नवीन

एजेंसी

पटना।मकर संक्रांति के पावन अवसर पर भाजपा के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष नितिन नवीन ने अपने आवास पर पारंपरिक दही-चूड़ा भोज का आयोजन किया। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, दोनों उपमुख्यमंत्री, मंत्री, सांसद, विधायक और बड़ी संख्या में पार्टी पदाधिकारी व कार्यकर्ता शामिल हुए। इस मौके पर नितिन नवीन ने प्रदेशवासियों को मकर संक्रांति की शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि यह पर्व सादगी, समानता और सामाजिक समरसता का प्रतीक है। दही-चूड़ा भोज बिहार की विशिष्ट परंपरा है, जो आपसी भाईचारे और सांस्कृतिक विरासत को मजबूत करती है। उन्होंने कहा कि भाजपा भारतीय संस्कृति, परंपरा और त्योहारों के संरक्षण एवं संवर्धन के लिए प्रतिबद्ध है। मकर संक्रांति सूर्य के उत्तरायण होने का पर्व है, जो जीवन में नई ऊर्जा और सकारात्मकता का संदेश देता है। उन्होंने कामना की कि यह पर्व सभी के जीवन में सुख-समृद्धि और सफलता लेकर आए। कार्यक्रम के दौरान अतिथियों ने पारंपरिक व्यंजनों का आनंद लिया और लोक-संस्कृति की झलक के साथ उत्सवमय वातावरण देखने को मिला।

धूप से फिलहाल मिली राहत, 17 जनवरी से नए पश्चिमी विक्षोभ के असर से बिहार में फिर लौट सकती है कड़ाके की ठंड

एजेंसी

पटना। पिछले कुछ दिनों से दिन में खिली धूप के कारण लोगों को ठंड से थोड़ी राहत जरूर मिली है, लेकिन यह राहत ज्यादा दिनों तक टिकने वाली नहीं है. मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार 17 जनवरी से एक नया पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय होने जा रहा है, जिसके प्रभाव से बिहार में एक बार फिर ठंड बढ़ेगी और तापमान में गिरावट दर्ज की जाएगी. मौसम विभाग का कहना है कि पश्चिमी विक्षोभ के असर से उत्तर भारत में ठंडी पछुआ हवाएं चलेंगी, जिसका सीधा प्रभाव बिहार पर पड़ेगा. दिन के साथ-साथ रात के तापमान में भी गिरावट आने की संभावना है, जिससे प्रदेश में कड़ाके की सर्दी महसूस की जाएगी. पटना समेत पूरे बिहार में लोगों को फिर से गर्म कपड़ों का सहारा लेना पड़ सकता है. विशेषज्ञों के मुताबिक 17 जनवरी के बाद सुबह और रात के समय ठंड ज्यादा असर दिखाएगी. कई जिलों में कोहरे और ठंडी हवाओं का असर भी देखने को मिल सकता है. मौसम में इस बदलाव को देखते हुए बुजुर्गों, बच्चों और बीमार लोगों को विशेष सतर्कता बरतने की सलाह दी गई है.

सबसे ठंडे जिले और तापमान का हाल.

मौसम विभाग के आंकड़ों के अनुसार राज्य में सबसे कम न्यूनतम तापमान सबौर, भागलपुर में 5.9 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया है. इसके अलावा सीवान के जीरादेई और गया में 6.4 डिग्री, औरंगाबाद और रोहतास के डेहरी में 6.5 डिग्री, बक्सर और किशनगंज में 7.0 डिग्री, समस्तीपुर में 7.3 डिग्री, वैशाली में 7.7 डिग्री और शेखपुरा में 7.8 डिग्री सेल्सियस न्यूनतम तापमान रिकॉर्ड किया गया है. इन जिलों में सुबह के समय ठंड का असर अधिक देखा जा रहा है और लोग अलाव व गर्म कपड़ों का सहारा ले रहे हैं.

तापमान में गिरावट से बढ़ी ठिठुरन.

पिछले 24 घंटों के दौरान बिहार के करीब 20 जिलों में न्यूनतम तापमान 10 डिग्री सेल्सियस से नीचे दर्ज किया गया है. कई इलाकों में तापमान में लगभग 2 डिग्री तक की गिरावट दर्ज की गई है. इसका सीधा असर सुबह और रात की ठंड पर पड़ा है. फिलहाल राज्य का न्यूनतम तापमान 5 डिग्री सेल्सियस के आसपास पहुंच गया है, जो ठंड के बढ़ते असर को दर्शाता है.

आने वाले दिनों का मौसम पूर्वानुमान.

मौसम विभाग के अनुसार अगले कुछ दिनों तक न्यूनतम तापमान में हल्की गिरावट का सिलसिला जारी रह सकता है. 20 और 21 जनवरी को पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव से राज्य के कई हिस्सों में हल्की से मध्यम बारिश होने की संभावना जताई गई है. बारिश के साथ ठंडी हवाएं चलने से तापमान और नीचे जा सकता है और ठंड का असर और तेज हो जाएगा.

पटना का मौसम.

राजधानी पटना में सुबह के समय हल्का से मध्यम कोहरा छाए रहने की संभावना है. दिन में धूप निकलने से तापमान में हल्की बढ़ोतरी हो सकती है, लेकिन रात के समय कड़ाके की ठंड बनी रहेगी. पटना का न्यूनतम तापमान करीब 10 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने का अनुमान है. बीते 24 घंटों के दौरान ठंडी हवाओं के कारण दिन में भी कनकनी महसूस की गई.

कोहरे को लेकर यलो अलर्ट.

पटना मौसम विज्ञान केंद्र ने राज्य के आठ जिलों में कोहरे को लेकर यलो अलर्ट जारी किया है. सुबह के समय दृश्यता कम होने की आशंका है, जिससे सड़क और रेल यातायात प्रभावित हो सकता है. वाहन चालकों को सुबह के समय विशेष सावधानी बरतने की सलाह दी गई है.

सतर्क रहने की अपील.

प्रशासन और मौसम विभाग ने लोगों से ठंड से बचाव के लिए आवश्यक सावधानियां बरतने की अपील की है. सुबह और रात के समय बाहर निकलते वक्त गर्म कपड़ों का इस्तेमाल करें और अनावश्यक यात्रा से बचें, ताकि ठंड और कोहरे से होने वाली परेशानियों से सुरक्षित रहा जा सके.

आपदा परिवारों को हर संभव मदद को संकल्पित बिहार की सरकार:- श्रवण कुमार

एजेंसी

बिहारशरीफ। बेन प्रखंड के प्रखंड कार्यालय में अनुग्रह अनुदान योजना अंतर्गत तीन परिवारों को चार-चार लाख की सहायता राशि का चेक क्षेत्रीय विधायक बिहार सरकार के ग्रामीण विकास सह परिवहन मंत्री श्रवण कुमार के द्वारा प्रदान किया गया।बडी आट निवासी मृतक आरती कुमारी के पति ओमप्रकाश रविदास शहरी गांव निवासी मृतक सुरेश पंडित की आश्रित पत्नी सामपति देवी लेलिन नगर गांव के मृतक नौलख मांझी की आश्रित पत्नी गीता देवी को चार लाख अग्निकांड पीड़ित शर्विला देवी सोनी देवी एवं विजेन्द्र प्र को राज्य सरकार के द्वारा प्रदत्त 11 हजार की सहायता राशि का चेक प्रदान किया गया। इस अवसर पर मंत्री श्रवण कुमार ने कहा कि राज्य सरकार के खजाने पर पहला हक आपदा पीड़ित परिवारों

का है। आपदा पीड़ित परिवारों को हर संभव मदद को नीतीश सरकार कृत संकल्पित है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार बिहार के लोगों की सेवा को समर्पित है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार आज समृद्धि यात्रा के माध्यम से जनकल्याण और विकास की नई दिशा को आगे बढ़ा रहे हैं।पश्चिम चंपारण से प्रारंभ हो रही इस यात्रा के दौरान जिले की विकासात्मक एवं कल्याणकारी योजनाओं की विस्तृत समीक्षा की जाएगी।इस क्रम में 153 करोड़ की लागत से 125 नई योजनाओं का शिलान्यास तथा 29 करोड़ की लागत से 36 योजनाओं का उद्घाटन प्रस्तावित है।राज्य के हर नागरिक को बेहतर, सुलभ और गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सुविधा देना हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है बिहार में सड़कों का मजबूत जाल बिछा है। गाँव-कस्बों से राजधानी तक बेहतर सड़कें, 6-लेन हाईवे, नए पुल-पुलिया और मेट्रो जैसी आधुनिक सुविधाओं ने आवागमन आसान किया है। आज बिहार तेज, सुरक्षित और सुगम कनेक्टिविटी के नए युग में आगे बढ़ रहा है। कार्यक्रम में प्रखंड प्रमुख रंजू देवी, बीस सूत्री अध्यक्ष अरविन्द पटेल सहित विजय कुमार, अजीत सिंह, पुरूजीत सिंह, शैलेंद्र कुमार, शैलेंद्र प्रसाद, मुंद्रिका प्रसाद, जितेंद्र सिंह, सोहित पटेल, भगेउन पाल, धुरी मांझी, जितु मांझी, उपेंद्र कुमार, सीताराम केवट, सुनील पासवान, निरज मुखिया एवं आशा कुमारी समेत कई जनप्रतिनिधि व स्थानीय लोग उपस्थित रहे। मौके पर लाभुकों ने सरकार और मंत्री के प्रति आभार जताया।

मुंबई में बनेगा 178 कमरों वाला 'बिहार भवन' 30 मंजिला इमारत के लिए 314 करोड़ की मंजूरी

एजेंसी

पटना। मुंबई में बिहार भवन का निर्माण करने की तैयारी तेज हो चुकी है, जहां इस बारे में जानकारी देते हुए भवन निर्माण विभाग के सचिव कुमार रवि ने बताया कि मुंबई की एलिफिंस्टन एस्टेट में बिहार भवन के निर्माण करने की योजना बनाई गई है। यह भवन कई आधुनिक सुविधाओं के साथ 30 मंजिला होगा, जिसे राज्य कैबिनेट की बैठक में 314 करोड़ 20 लाख रुपए की प्रशासनिक स्वीकृति मिली। बिहार की प्रगति एवं जन कल्याण के क्षेत्र में यह एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। मुंबई में बनने जा रहे बिहार भवन में खास तौर पर बिहार से कैंसर का इलाज करने के लिए मुंबई आने वाले लोगों के रहने की व्यवस्था की जाएगी। बिहार भवन में सरकारी कार्य और बैठक

की सुविधा भी होगी। यानी कि इसे इस तरीके से डिजाइन किया गया है कि यहां पर मीटिंग, सरकारी काम और रहने की सुविधा होगी। इसे कम पैसे में सुरक्षित और आरामदायक बनाने की कोशिश की जा रही है, जो आम बिहार के लोगों के लिए बहुत बड़ी सुविधा होगी। मुंबई में बनने वाले अगर बिहार भवन की खासियत पर चर्चा करें तो यह 0.68 एकड़ में बनाया जाएगा, जिसमें कुल 178 कमरे होंगे। इसमें मरीज के साथ-साथ परिजनों के लिए भी 240 बेड की क्षमता वाला डोरमेट्री होगा. इसके अलावा 200 से भी ज्यादा गाड़ियों के पार्किंग की व्यवस्था की गई है। साथ ही साथ एक बड़ा कॉन्फ्रेंस हॉल होगा जिसमें 72 लोग बैठ सकते हैं. इसे और भी ज्यादा आकर्षित बनाने के लिए कैफेटेरिया, मेडिकल रूम समेत कई अन्य जरूरी सुविधाएं भी इसमें जोड़ी जाएंगी।

संक्षिप्त समाचार

मकर संक्रांति पर मारवाड़ी सम्मेलन मोतिहारी शाखा ने किया खिचड़ी भंडारे का आयोजन

बीएनएम @ मोतिहारी। बिहार प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन की मोतिहारी शाखा द्वारा मकर संक्रांति के पावन अवसर पर बापूधाम रेलवे स्टेशन, मोतिहारी परिसर में खिचड़ी भंडारे का आयोजन किया गया। इस भंडारे में सात सौ से अधिक लोगों ने सुस्वादिष्ट खिचड़ी का प्रसाद ग्रहण किया। कार्यक्रम के दौरान श्रद्धालुओं एवं यात्रियों में विशेष उत्साह देखने को मिला। आयोजन को सफल बनाने में सम्मेलन के अध्यक्ष रमेश अग्रवाल, सचिव अनिल बोहरा, उपाध्यक्ष ठाकुर गाडोदिया सहित कार्यकारिणी सदस्य तारकेश्वर नाथ केडिया, अभिषेक जैन, आनंद गोयनका, गौतम पोद्दार तथा समाज के अन्य सदस्यों ने सक्रिय भूमिका निभाई। आयोजकों ने बताया कि सामाजिक सेवा और परंपराओं के संरक्षण के उद्देश्य से इस तरह के कार्यक्रम आगे भी आयोजित किए जाते रहेंगे।

विशेष समकालीन अभियान में पुलिस की बड़ी कार्रवाई, 24 घंटे में 126 गिरफ्तार

बीएनएम @ मोतिहारी। पुलिस अधीक्षक स्वर्ण प्रभात के आदेशानुसार जिले में 15 जनवरी 2026 को विशेष समकालीन अभियान चलाया गया। इस अभियान के तहत बीते 24 घंटे में जिलेभर से कुल 126 अभियुक्तों की गिरफ्तारी की गई, जिनमें से 74 अभियुक्तों को न्यायिक हिरासत में भेजा गया है। पुलिस सूत्रों के अनुसार, अभियान के दौरान वारंट के आधार पर 52 अभियुक्तों को गिरफ्तार किया गया, जबकि विविध कांडों में 13 अभियुक्तों की भी गिरफ्तारी हुई है। यह अभियान जिले में अपराध पर नियंत्रण, फरार अपराधियों की धरपकड़ तथा कानून-व्यवस्था को मजबूत करने के उद्देश्य से चलाया गया। पुलिस अधीक्षक स्वर्ण प्रभात ने बताया कि जिले में शांति एवं सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने के लिए इस प्रकार के विशेष अभियान आगे भी निरंतर जारी रहेंगे।

स्नातक (सी.बी.सी.एस) प्रथम सेमेस्टर की परीक्षा दूसरे दिन भी रही शांतिपूर्ण

बीएनएम @ मोतिहारी। बी.आर.ए. बिहार विश्वविद्यालय, मुजफ्फरपुर के तत्वावधान में स्नातक (सी.बी.सी.एस) प्रथम सेमेस्टर सत्र 2025–29 की परीक्षा 15 जनवरी 2026 से प्रारंभ हुई है। इस क्रम में मुंशी सिंह महाविद्यालय, मोतिहारी को एल.एन.डी. कॉलेज, मोतिहारी एवं एम.एस.एस.जी. कॉलेज, अरेराज के परीक्षार्थियों के लिए परीक्षा केंद्र बनाया गया है। शुक्रवार 16 जनवरी 2026 को परीक्षा के दूसरे दिन मुंशी सिंह महाविद्यालय परीक्षा केंद्र पर दो पालियों में परीक्षा शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुई। प्रथम पाली में मेजर ग्रुप-सी के अंतर्गत रसायन शास्त्र, जूलॉजी, बॉटनी एवं राजनीति विज्ञान विषय की परीक्षा आयोजित की गई, जिसमें कुल 1297 परीक्षार्थी उपस्थित रहे। वहीं दूसरी पाली में मेजर ग्रुप-डी के अंतर्गत गणित, मनोविज्ञान, भूगोल, उर्दू एवं अंग्रेजी विषयों की परीक्षा हुई, जिसमें 1582 परीक्षार्थियों ने भाग लिया। परीक्षा कदाचार मुक्त, अनुशासित एवं शांतिपूर्ण वातावरण में सफलतापूर्वक संपन्न हुई। परीक्षा की शुचिता और सुचारु संचालन के लिए महाविद्यालय प्रशासन द्वारा सभी आवश्यक व्यवस्थाएं की गई थीं। इस संबंध में जानकारी मुंशी सिंह महाविद्यालय, मोतिहारी के प्राचार्य प्रो. एम.एन. हक एवं परीक्षा नियंत्रक डॉ. मशहूर अहमद के हवाले से महाविद्यालय के मीडिया प्रभारी डॉ. गौरव भारती ने दी।

एसएसबी व नेपाल एपीएफ के बीच सीमा सुरक्षा को लेकर कमांडेंट स्तरीय बैठक, आपसी सहयोग पर बनी सहमति

बीएनएम @ मोतिहारी

भारत–नेपाल सीमा की सुरक्षा, शांति और आपसी समन्वय को मजबूत करने के उद्देश्य से शुक्रवार को एसएसबी और नेपाल एपीएफ के बीच कमांडेंट स्तरीय बैठक का आयोजन किया गया। यह बैठक 71वीं वाहिनी एसएसबी के मुख्यालय पिपराकोठी कैंप में दोनों देशों के राष्ट्रगान के साथ शुरू हुई। बैठक में नेपाल एपीएफ की 10वीं, 11वीं एवं 12वीं वाहिनी के वरिष्ठ अधिकारियों ने भाग लिया। बैठक में भारत–नेपाल की खुली और मैत्रीपूर्ण सीमा को दोनों देशों के ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और सामाजिक संबंधों का प्रतीक बताया गया। अधिकारियों ने सीमा क्षेत्र में शांति बनाए रखने, अवैध गतिविधियों पर रोक लगाने और आपसी सहयोग को और मजबूत करने पर जोर दिया। इस दौरान इस बात पर सहमति बनी कि भारत और नेपाल के बीच "बेटी-रोटी" का पारंपरिक और मैत्रीपूर्ण संबंध बना रहेगा। बैठक में अवैध तस्करी, मानव तस्करी, मादक पदार्थों की तस्करी, नकली मुद्रा, आतंकवादी गतिविधियों, वन एवं वन्य जीव उत्पादों की तस्करी सहित सीमा पार अपराधों पर रोक लगाने के लिए दोनों देशों के बीच सूचना साझा करने और संयुक्त प्रयास करने पर सहमति जताई गई। अपराधियों और अपराधी प्रवृत्ति के लोगों पर विशेष नजर रखने तथा सीमा पर सूचना आदान-प्रदान को मजबूत करने पर भी जोर दिया गया। इसके अलावा सीमा सुरक्षा को लेकर कई रणनीतियां तय की गईं। दोनों देशों के अधिकारियों ने आपसी तालमेल, विश्वास और सौहार्द बनाए रखने, सीमा से जुड़े किसी भी विवाद या गलतफहमी को संवाद के माध्यम से सुलझाने तथा प्राकृतिक आपदाओं, महामारी और आपात स्थितियों में एक-दूसरे की सहायता करने पर भी सहमति व्यक्त की। बैठक में यह भी सुनिश्चित करने पर बल दिया गया कि सीमा क्षेत्र में रहने वाले आम नागरिकों को किसी प्रकार की असुविधा न हो। इस बैठक में एसएसबी की ओर से प्रफुल्ल कुमार, कमांडेंट 71वीं वाहिनी एसएसबी मोतिहारी, गिरीश चंद्र पाण्डेय, कमांडेंट 20वीं वाहिनी एसएसबी सीतामढ़ी-I, संजीव कुमार सिंह, कमांडेंट 51वीं वाहिनी एसएसबी सीतामढ़ी-II सहित कई वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। वहीं नेपाल एपीएफ की ओर से देव बहादुर चन्द, सुपरिंटेंडेंट 10वीं एपीएफ सरलाही, रामहरि अधिकारी, सुपरिंटेंडेंट 11वीं एपीएफ रौतहट, खुम बहादुर के.सी., सुपरिंटेंडेंट 12वीं एपीएफ बारा सहित अन्य अधिकारियों ने भाग लिया। कार्यक्रम के उपरांत एसएसबी अधिकारियों द्वारा नेपाल एपीएफ के प्रतिनिधियों को पुष्पगुच्छ, स्मृति चिन्ह और अंगवस्त्र भेंट कर सम्मानित किया गया। इसके बाद सीमा पर सौहार्द और सहयोग को बढ़ावा देने के उद्देश्य से एसएसबी और नेपाल एपीएफ के बीच मैत्रीपूर्ण वॉलीबॉल मैच का आयोजन किया गया। यह मैच 12वीं एपीएफ नेपाल और 71वीं वाहिनी एसएसबी मोतिहारी की टीमों के बीच खेला गया, जिसमें 12वीं एपीएफ नेपाल की टीम 2-0 से विजयी रही। नेपाल एपीएफ के सुपरिंटेंडेंट खुम बहादुर के.सी. ने कहा कि इस तरह के मैत्रीपूर्ण खेल आयोजन न केवल खेल भावना को बढ़ावा देते हैं, बल्कि सीमा पर तैनात जवानों के बीच आपसी विश्वास, सहयोग और दोस्ताना माहौल भी मजबूत करते हैं। ऐसे आयोजन भारत–नेपाल के बीच स्थायी मित्रता और बेहतर सीमा प्रबंधन का संदेश देते हैं।

जमीन विवाद में दो भाइयों के बीच जमकर मारपीट, एक की मौत, गांव में पसरा सन्नाटा

बीएनएम @ मोतिहारी

हरसिद्धि थाना क्षेत्र के उज्जैन लोहियार गांव से रिश्तों को शर्मसार कर देने वाली एक सनसनीखेज घटना सामने आई है। जमीन के मामूली विवाद में दो सगे भाइयों के बीच हुई भीषण मारपीट में बड़े भाई की मौत हो गई। घटना के बाद पूरे गांव में सन्नाटा पसरा हुआ है, जबकि मृतक के घर में कोहराम मचा है। जानकारी के अनुसार उज्जैन लोहियार गांव निवासी बिंदेश्वरी ठाकुर और उनके छोटे भाई बिंदा ठाकुर के बीच लंबे समय से जमीनी विवाद चल रहा था। शुक्रवार को जमीन पर पुआल (बिचाली) रखने को लेकर दोनों के बीच कहासुनी शुरू हुई, जो जल्द ही हिंसक झड़प में बदल गई। इसी दौरान गुस्से में आकर छोटे भाई बिंदा ठाकुर ने लोहे की रॉड से अपने बड़े भाई बिंदेश्वरी ठाकुर पर ताबड़तोड़ वार कर दिए। हमले में बिंदेश्वरी ठाकुर गंभीर रूप से घायल हो गए और अत्यधिक रक्तस्राव के कारण उन्होंने मौके पर ही दम तोड़ दिया। घटना के बाद आरोपी छोटा भाई मौके से फरार हो गया। घर के आंगन में शव पड़े होने की सूचना मिलते ही परिजनों में चीख-पुकार मच गई। ग्रामीणों का कहना है कि दोनों भाइयों के बीच पहले भी विवाद होते रहे थे, लेकिन किसी ने यह नहीं सोचा था कि मामला जानलेवा रूप ले लेगा। घटना की सूचना मिलते ही हरसिद्धि थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। प्रशिक्षु डीएसपी ऋषभ कुमार ने बताया कि भाई-भाई के बीच जमीनी विवाद में मारपीट की घटना हुई है, जिसमें एक व्यक्ति की मौत हुई है। उन्होंने कहा कि फिलहाल किसी पक्ष से आवेदन प्राप्त नहीं हुआ है, आवेदन मिलते ही मामले में विधिसम्मत कार्रवाई की जाएगी।

अंतर्राज्यीय साइबर ठगी गिरोह के 3 सदस्य गिरफ्तार

बीएनएम @ मोतिहारी

साइबर ठगी के अंतर्राज्यीय गिरोह के तीन सक्रिय सदस्यों को साइबर थाना की टीम ने गिरफ्तार कर लिया। यह कार्रवाई बुधवार को की गई, जिसमें पुलिस ने ठगी की राशि के लेन-देन में इस्तेमाल होने वाले बैंक खाते, चेकबुक और अन्य सामग्री बरामद की। गिरोह के सदस्य आम लोगों को 'पैसे कमाने का आसान तरीका' बताकर उनके बैंक खाते, मोबाइल सिम और पेमेंट गेटवे हथियाने के बाद साइबर ठगी का पैसा ट्रांसफर करते थे। प्रत्येक खाते पर ठगों द्वारा 70 हजार रुपये तक का कमीशन दिया जाता था। साइबर थाना के प्रभारी पुलिस उपाधीक्षक अभिनव कुमार के नेतृत्व में गठित टीम ने बौधा निवासी प्रमोद कुशवाहा उर्फ कुनदेश कुमार कुशवाहा के घर पर छापेमारी की। कुनदेश के निशानदेही पर नीरज कुमार (20 वर्ष, सीताबदरैया निवासी) और शुभम कुमार (छोटेलाल पांडे सभ्यता नगर, रक्सौल) को भी पकड़ा गया। पूछताछ में खुलासा हुआ कि यह गिरोह बिहार सहित उत्तर प्रदेश, झारखंड समेत विभिन्न राज्यों से साइबर ठगी की शिकायतों में नामजद है। ठग फर्जी ऐप्स और लिंक के जरिए लोगों को लालच देकर शिकार बनाते थे। गिरफ्तार आरोपियों के पास से चेकबुक, बैंक पासबुक, मोबाइल फोन और डिजिटल डिवाइस बरामद हुए। साइबर थाना में प्रमोद के खिलाफ सीआरआईएमएसी एक्ट के तहत केस संख्या 1164/26 दर्ज किया गया। इसी तरह नीरज के खिलाफ केस संख्या 1054/26 और शुभम के खिलाफ अलग से मुकदमा दर्ज है। अधिकारियो ने बताया कि गिरोह के अन्य सदस्यों की तलाश जारी है। अब तक विभिन्न थानों से दर्ज सैकड़ों शिकायतों का खुलासा होने की उम्मीद है। पुलिस ने लोगों से अपील की है कि संदिग्ध कॉल या लिंक पर भरोसा न करें। साइबर ठगी रोकने के लिए हेल्पलाइन 1930 पर संपर्क करें। यह गिरफ्तारी पूर्वी चम्पारण में साइबर अपराध के खिलाफ सतत कार्रवाई का हिस्सा है। जिले में साइबर जागरूकता अभियान तेज किया जाएगा।

संथाल परगना के जननायक डॉ. लंबोदर मुखर्जी की 124वीं जयंती, स्वतंत्रता संग्राम में योगदान को किया गया नमन

बीएनएम @ मोतिहारी

संथाल परगना के जननायक और भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन के निर्भीक सेनानी डॉ. लंबोदर मुखर्जी की 124वीं जयंती आज श्रद्धा और सम्मान के साथ मनाई गई। इस अवसर पर उनके योगदान को याद करते हुए वक्ताओं ने कहा कि डॉ. मुखर्जी ने आदिवासी समाज को राजनीतिक चेतना प्रदान कर अंग्रेजी हुकूमत के विरुद्ध संगठित संघर्ष की मजबूत नींव रखी। 16 जनवरी 1942 को पाकुड़ में आयोजित फॉरवर्ड ब्लॉक के ऐतिहासिक अधिवेशन की अध्यक्षता डॉ. लंबोदर मुखर्जी ने की थी। इस अधिवेशन में लगभग 300 संथाली आदिवासी शामिल हुए थे, जिनकी जमीनें अंग्रेजी शासन द्वारा लगान न चुका पाने के कारण जब्त कर ली गई थीं। डॉ. मुखर्जी ने अपने ओजस्वी भाषण में आदिवासियों को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक किया और ब्रिटिश शासन की दमनकारी नीतियों का विरोध किया। अधिवेशन के बाद 300 संथाली आदिवासियों ने फॉरवर्ड ब्लॉक की सदस्यता ग्रहण की, जिससे अंग्रेजी प्रशासन में हड़कंप मच गया। इसके बाद तत्कालीन भागलपुर कमिश्नर ने डॉ. मुखर्जी को गिरफ्तार कर Defence of India Rule 26 के तहत मुकदमा चलाया। मार्च 1942 में उन्हें चार वर्ष के कठोर कारावास की सजा सुनाई गई। बताया जाता है कि गिरफ्तारी से पूर्व तक डॉ. लंबोदर मुखर्जी 1200 से अधिक आदिवासियों को फॉरवर्ड ब्लॉक से जोड़ चुके थे। उनकी जयंती पर लोगों ने उन्हें आदिवासी स्वाभिमान, संघर्ष और स्वतंत्रता आंदोलन के प्रेरक प्रतीक के रूप में याद किया।

तेज रफ्तार ट्रक की टक्कर से बाइक सवार चाचा-भतीजा हादसे का शिकार, एक की मौत, दूसरा गंभीर

- डुमरिया पोस्ट ऑफिस के पास हुआ भीषण हादसा, मकर संक्रांति की खुशियां बदलीं मातम में
- 100 से अधिक के स्पीड में इस रास्ते से चल रहे वाहन, वाहनों को अधिकता और ओवरस्पीड से हो रहे हादसे

बीएनएम @ मोतिहारी

जिले के स्टेट हाईवे-74 पर क्षमता से अधिक वाहनों की आवाजाही और अनियंत्रित रफ्तार एक बार फिर जानलेवा साबित हुई। जिले के डुमरियाघाट थाना क्षेत्र अंतर्गत डुमरिया पोस्ट ऑफिस के समीप शुक्रवार को तेज रफ्तार ट्रक की चपेट में आकर बाइक सवार एक युवक की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई, जबकि दूसरा युवक गंभीर रूप से जख्मी हो गया। मृतक की पहचान संतु कुमार, पिता अच्छेलाल राम के रूप में हुई है, वहीं गंभीर रूप से घायल युवक अजय कुमार, पिता मोहन राम बताया जा रहा है। दोनों आपस में चाचा-भतीजा थे और गोपालगंज जिले के बरौली थाना क्षेत्र अंतर्गत बनकट बढ़ेयां गांव के निवासी थे। घटना के संबंध में बताया जा रहा है कि दोनों युवक शुक्रवार सुबह अपनी प्लेटिना बाइक से पूर्वी चम्पारण जिले के संग्रामपुर प्रखंड अंतर्गत इजरा गांव स्थित अपनी फुआ के घर मकर संक्रांति के अवसर पर लाई-चूड़ा लेकर गए थे। वहीं से लौटने के दौरान जैसे ही वे डुमरिया गांव के समीप पहुंचे, विपरीत दिशा से आ रहे तेज रफ्तार ट्रक ने उनकी बाइक को आमने-सामने जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि बाइक हवा में उछलते हुए करीब तीस फीट दूर सड़क पर जा गिरी। इस हादसे में पीछे बैठे संतु कुमार की घटनास्थल पर ही दर्दनाक मौत हो गई, जबकि बाइक चला रहे अजय कुमार गंभीर रूप से जख्मी हो गए। सूचना मिलते ही डायल 112 की टीम सबसे पहले मौके पर पहुंची और गंभीर रूप से घायल युवक को इलाज के लिए स्थानीय अस्पताल भेजा। इसके बाद डुमरियाघाट थानाध्यक्ष विवेक कुमार बालेंदु पुलिस बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे और मामले की जांच की। हादसे से आक्रोशित स्थानीय लोगों ने सड़क पर लकड़ी का स्लीपर आदि रखकर कुछ देर के लिए आवागमन बाधित कर दिया। पुलिस ने समझा-बुझाकर जाम को समाप्त कराया। वहीं पुलिस ने मृतक के शव को अपने कब्जे में लेकर थाना लाया और कागजी प्रक्रिया पूरी करने के बाद अंत्यपरीक्षण के लिए मोतिहारी सदर अस्पताल भेज दिया। इधर घटना की सूचना मिलते ही मृतक और घायल के परिजन डुमरियाघाट पहुंचे और पूरे घटनाक्रम की जानकारी ली। इस हादसे के बाद क्षेत्र में शोक का माहौल है, वहीं स्थानीय लोग स्टेट हाईवे-74 पर बढ़ते हादसों को लेकर प्रशासन से ठोस कदम उठाने की मांग कर रहे हैं।

सड़क व प्रस्तावित नाला के बीच पेवर ब्लॉक से इंटरलॉकिंग निर्माण कार्य शुरू

बीएनएम @ मोतिहारी

नगर निगम द्वारा शहर के समग्र एवं सतत विकास को गति देने के उद्देश्य से लगातार आधारभूत संरचनाओं को मजबूत किया जा रहा है। इसी क्रम में छतौनी चौक से गांधी चौक होते हुए जानपुल चौक तक मुख्य सड़क के दोनों किनारों पर सड़क एवं प्रस्तावित नाला के मध्य पेवर ब्लॉक से इंटरलॉकिंग निर्माण कार्य कराया जा रहा है। इस विकासात्मक परियोजना की कुल अनुमानित लागत 2,04,02,171 (दो करोड़ चार लाख दो हजार एक सौ इकहत्तर) बताई गई है। निर्माण कार्य पूर्ण होने के बाद क्षेत्र की शहरी सुंदरता में उल्लेखनीय वृद्धि होगी। साथ ही पैदल यात्रियों को सुरक्षित एवं सुव्यवस्थित मार्ग उपलब्ध होगा और सड़क चौड़ी होने से यातायात व्यवस्था अधिक सुचारू, सुरक्षित और मजबूत बनेगी। महापौर प्रीति कुमारी ने बताया कि नगर निगम मोतिहारी नागरिकों को बेहतर बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराने, शहर के नियोजित विकास तथा सुव्यवस्थित यातायात प्रणाली को सुनिश्चित करने के लिए निरंतर प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि यह परियोजना नगर के आधुनिक और सुनियोजित विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित होगी।

विराट रामायण मंदिर में कल शिवलिंग प्राण प्रतिष्ठाः सुरक्षा और ट्रैफिक व्यवस्था पुख्ता

बीएनएम @ मोतिहारी

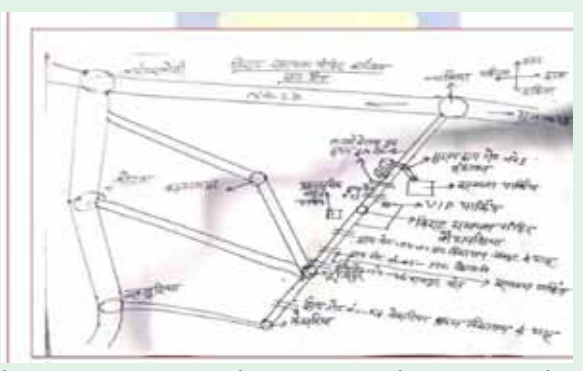

पूर्वी चंपारण के कैथवलिया स्थित विराट रामायण मंदिर परिसर में 17 जनवरी को विश्व के सबसे ऊँचे शिवलिंग की प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम के मद्देनजर जिला प्रशासन पूरी तरह सतर्क है। भारी श्रद्धालुओं की भीड़ की संभावना को देखते हुए सुरक्षा बलों की चप्पे-चप्पे पर तैनाती की गई है। मोतिहारी के एसपी स्वर्ण प्रभात ने बताया कि ट्रैफिक को सुगम बनाने के लिए रूट प्लान जारी किया गया है और लोगों से नियमों का पालन करने की अपील की गई है। सुरक्षा व्यवस्था के तहत 16 जनवरी की शाम से 17 जनवरी की अपराह्न तक चकिया से केसरिया के बीच मुख्य मार्ग पर सभी मालवाहक और भारी वाहनों के परिचालन पर पूर्ण प्रतिबंध रहेगा। चकिया की ओर से आने वाले भारी वाहनों को एनएच-27 पिपराकोठी/मुजफ्फरपुर की ओर मोड़ दिया गया है, जबकि केसरिया की तरफ से आने वाले वाहनों को साहेबगंज, कोटवा और कल्याणपुर की ओर डायवर्ट किया गया है। श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए विभिन्न प्रवेश द्वार और पार्किंग स्थल बनाए गए हैं। चकिया की ओर से आने वाले कार और मोटरसाइकिल को वृंदावन स्थित इंडियन ऑयल पेट्रोल पंप के पास ड्रॉप गेट पर रोका जाएगा और वहां से निर्धारित पार्किंग में भेजा जाएगा। केसरिया की ओर से आने वाली बसों के लिए केसरिया हाई स्कूल में पार्किंग की व्यवस्था की गई है, जबकि अन्य वाहन राजपुर स्थित पेट्रोल पंप के पास मुख्य पार्किंग में खड़े किए जाएंगे। केसरिया से आने वाले श्रद्धालु राजपुर के शर्मा मुखिया पेट्रोल पंप से और चकिया की तरफ से आने वाले लोग शीतलपुर पेट्रोल पंप के पास से मंदिर परिसर में प्रवेश करेंगे। वीआईपी अतिथियों के लिए कैथवलिया मठ मार्ग से विशेष प्रवेश और मंदिर के पास समर्पित पार्किंग स्थल उपलब्ध कराया गया है। पूरे क्षेत्र में फिक्स गेट, ड्रॉप गेट और बैरिकेडिंग के साथ पुलिस बल तैनात किया गया है। एसपी स्वर्ण प्रभात ने कहा कि सुरक्षा में कोई कोताही नहीं बरती जाएगी ताकि श्रद्धालु शांतिपूर्ण तरीके से दर्शन और पूजन कर सकें।

संक्षिप्त समाचार

विद्यालय में शिक्षक-शिक्षिका के बीच मारपीट, शिक्षिका के आवेदन पर शिक्षक के खिलाफ एफआईआर

बीएनएम@ मोतिहारी। भले ही विद्यालय को ज्ञान और संस्कार का मंदिर माना जाता है, लेकिन जब इसी विद्या के मंदिर में मारपीट की घटना सामने आए तो यह व्यवस्था पर सवाल खड़े करता है। ऐसा ही एक मामला जिले के सीमावर्ती क्षेत्र आदापुर प्रखंड के प्राथमिक विद्यालय इनरवा उर्दू से सामने आया है, जहां शिक्षक और शिक्षिका के बीच हुआ विवाद मारपीट में बदल गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार विद्यालय में उपस्थिति पंजी को लेकर शिक्षक मोहम्मद फैजुल्लाह और महिला शिक्षिका कुमारी सरिता गुप्ता के बीच कहासुनी हुई, जो देखते ही देखते धक्का-मुक्की और मारपीट में तब्दील हो गई। इस घटना में शिक्षिका घायल हो गई। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और विद्यालय में पहुंचकर मामले की छानबीन की। पुलिस ने पीड़ित शिक्षिका और विद्यालय के प्रधानाध्यापक से पूछताछ कर घटना की पूरी जानकारी ली। बताया जाता है कि पुलिस के पहुंचने से पहले ही आरोपी शिक्षक विद्यालय से फरार हो गया था। वहीं पीड़ित शिक्षिका के आवेदन के आधार पर पुलिस ने आरोपी शिक्षक मोहम्मद फैजुल्लाह के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज की है। इस संबंध में आदापुर थाना कांड संख्या 18/026 दर्ज की गई है। विद्यालय के अन्य शिक्षकों ने बताया कि कुछ शिक्षकों के बीच पहले से ही आपसी विवाद चल रहा था, जिसे आपसी बैठक के माध्यम से सुलझाने की योजना थी। लेकिन घटना के दिन कुछ शिक्षक किसी बहाने विद्यालय से चले गए, जिसके कारण विवाद को समय रहते सुलझाया नहीं जा सका। घटना गुरुवार की बताई जा रही है। पीड़ित शिक्षिका ने अपने आवेदन में आरोप लगाया है कि शिक्षक मोहम्मद फैजुल्लाह ने उपस्थिति पंजी को लेकर गाली-गलौज करते हुए धक्का-मुक्की और मारपीट की। इस मामले में थानाध्यक्ष पप्पू कुमार पासवान ने बताया कि महिला शिक्षिका के आवेदन के आलोक में एफआईआर दर्ज कर ली गई है और आरोपी शिक्षक की गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी की जा रही है।

भागवत राय डिग्री महाविद्यालय में बीए प्रथम सेमेस्टर की परीक्षा शांतिपूर्ण ढंग से जारी

बीएनएम@ पश्चिम चम्पारण। नौतन प्रखंड के दक्षिण तेल्हुआ पंचायत स्थित बाबा भागवत राय डिग्री महाविद्यालय में बीए प्रथम सेमेस्टर की परीक्षा शांतिपूर्ण एवं सुव्यवस्थित वातावरण में संचालित की जा रही है। परीक्षा में छात्र अनुशासन के साथ भाग ले रहे हैं और अब तक किसी भी प्रकार की अव्यवस्था की सूचना नहीं है। महाविद्यालय के प्राचार्य अश्विनी कुमार राय ने बताया कि बीए पार्ट-1 (प्रथम सेमेस्टर) की परीक्षा पूरी तरह शांतिपूर्ण तरीके से हो रही है। परीक्षा के दौरान मनोविज्ञान, कॉमर्स, गणित, अंग्रेजी, उर्दू सहित अन्य विषयों की परीक्षाएं आयोजित की जा रही हैं, जिन्हें छात्र बिना किसी बाधा के संपन्न कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि परीक्षा केंद्र पर कड़ी निगरानी रखी जा रही है। सभी परीक्षार्थियों की प्रवेश से पूर्व सघन जांच की जा रही है, ताकि कोई भी छात्र नकल से संबंधित सामग्री लेकर परीक्षा कक्ष में प्रवेश न कर सके। वहीं महाविद्यालय के सचिव उमाशंकर राय ने कहा कि परीक्षा पूरी सतर्कता और निगरानी के बीच कराई जा रही है। प्रथम सेमेस्टर की परीक्षा छात्र-छात्राएं पूरी शांति और अनुशासन के साथ दे रहे हैं, जिससे परीक्षा की गरिमा बनी हुई है।

बाबा भागवत राय डिग्री कॉलेज में बीए फर्स्ट सेमेस्टर की परीक्षा शांतिपूर्ण ढंग से जारी

बीएनएम@ पश्चिम चंपारण। नौतन प्रखंड के दक्षिण तेल्हुआ पंचायत स्थित बाबा भागवत राय डिग्री महाविद्यालय में बीए फर्स्ट सेमेस्टर की परीक्षा शांतिपूर्ण माहौल में संचालित की जा रही है। परीक्षा में छात्र अनुशासन और निगरानी के बीच शामिल हो रहे हैं। महाविद्यालय के प्राचार्य अश्विनी कुमार राय ने बताया कि बीए फर्स्ट सेमेस्टर की परीक्षा पूरी तरह शांतिपूर्ण तरीके से हो रही है। मनोविज्ञान, कॉमर्स, गणित, अंग्रेजी, उर्दू सहित अन्य विषयों की परीक्षाएं सुचारू रूप से संपन्न कराई जा रही हैं। उन्होंने कहा कि परीक्षा केंद्र पर सख्त जांच व्यवस्था लागू है और किसी भी छात्र को अनुचित सामग्री के साथ प्रवेश नहीं करने दिया गया है। वहीं महाविद्यालय के सचिव उमाशंकर राय ने बताया कि परीक्षा कदाचार-मुक्त माहौल में कराई जा रही है। सभी कक्षों में निगरानी रखी जा रही है, जिससे विद्यार्थी निश्चिंत होकर परीक्षा दे रहे हैं। अब तक किसी प्रकार की अव्यवस्था या हंगामे की सूचना नहीं है।

उपेंद्र कुशवाहा की पार्टी पर जदयू नेता की 'खतरनाक भविष्यवाणी

बीएनएम@ पटना। बिहार की राजनीति में एक बार फिर बड़े उलटफेर की चर्चाएं तेज हो गई हैं। इस बार निशाने पर हैं उपेंद्र कुशवाहा की पार्टी राष्ट्रीय लोक मोर्चा (RLM) जनता दल यूनाइटेड के वरिष्ठ नेता और जगदीशपुर विधायक भगवान सिंह कुशवाहा ने आरएलएम को लेकर ऐसी टिप्पणी की है, जिसे सियासी गलियारों में 'खतरनाक भविष्यवाणी' के तौर पर देखा जा रहा है। उनका कहना है कि खरमास खत्म होते ही आरएलएम में टूट संभव है और पार्टी के तीन विधायक पहले ही बगावती तेवर अपना चुके हैं।सासाराम में पत्रकारों से बातचीत के दौरान भगवान सिंह कुशवाहा ने दावा किया कि आरएलएम के तीन विधायक खुद को असहज महसूस कर रहे हैं और कभी भी राजनीतिक फैसला ले सकते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि अगर ये विधायक जदयू में आकर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के साथ काम करना चाहते हैं, तो पार्टी उनका स्वागत करेगी। उनके मुताबिक राजनीति में आने-जाने की प्रक्रिया सामान्य है और जो साथ आता है, उसे सम्मान दिया जाता है।इस बयान को आरएलएम के भीतर चल रही खींचतान से जोड़कर देखा जा रहा है। पार्टी के विधायक रामेश्वर महतो, आलोक सिंह और माधव आनंद लंबे समय से नेतृत्व से नाराज बताए जाते हैं। हाल के दिनों में सार्वजनिक कार्यक्रमों और सोशल मीडिया पर उनकी दूरी साफ नजर आई है। 12 जनवरी को मधुबनी दौरे के दौरान पंचायती राज मंत्री दीपक प्रकाश के कार्यक्रम से विधायक माधव आनंद की गैरहाजिरी ने इन अटकलों को और हवा दी।आरएलएम में असंतोष की बड़ी वजह उपेंद्र कुशवाहा द्वारा अपने बेटे दीपक प्रकाश को मंत्री बनाया जाना भी मानी जा रही है। पार्टी के चार विधायकों में एक उनकी पत्नी स्नेहलता देवी हैं, जबकि बाकी तीन खुद को हाशिये पर महसूस कर रहे हैं। हालांकि जदयू नेता ने साफ किया है कि सरकार की स्थिरता पर कोई खतरा नहीं है और नीतीश कुमार मुख्यमंत्री बने रहेंगे। फिर भी आरएलएम में संभावित टूट को लेकर बिहार की सियासत में चर्चाओं का दौर तेज हो गया है। अब निगाहें खरमास के बाद होने वाले राजनीतिक घटनाक्रम पर टिकी हैं।

आवास मांग सर्वेक्षण के नाम पर अवैध वसूली का आरोप

बीएनएम@ दरभंगाः सदर प्रखंड के खरुआ पंचायत में प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के तहत चल रहे आवास मांग सर्वेक्षण को लेकर गंभीर आरोप सामने आए हैं। पंचायत के दर्जनों ग्रामीणों ने आरोप लगाया है कि सर्वेक्षण कार्य में लगे आवास सहायक नजले आलम और उनके कथित बिचौलियों द्वारा प्रति आवेदन 200 से 500 तक की अवैध राशि की मांग की जा रही है।ग्रामीणों का कहना है कि आवास मांग सर्वेक्षण में नाम दर्ज कराने के बदले उनसे खुलेआम पैसे मांगे जा रहे हैं। इस संबंध में ग्रामीणों ने पंचायत के मुखिया राज किशोर मंडल से भी शिकायत की है। मुखिया ने स्वीकार किया कि पहले भी आवास सहायक को सर्वेक्षण के दौरान किसी भी तरह की राशि नहीं लेने की सख्त हिदायत दी गई थी। उन्होंने कहा कि यदि शिकायत सही पाई जाती है, तो मामले की जांच कर उचित कार्रवाई की जाएगी।इधर, प्रखंड विकास पदाधिकारी रवि रंजन ने मामले को गंभीर बताते हुए कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना के मांग सर्वेक्षण के नाम पर किसी भी तरह की वसूली पूरी तरह गैरकानूनी है। उन्होंने स्पष्ट किया कि यदि कोई लिखित शिकायत प्राप्त होती है तो दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी और आवश्यकता पड़ने पर संबंधित थाना में एफआईआर भी दर्ज कराई जाएगी।

विश्व के सबसे बड़े विराट रामायण मंदिर में आज इतिहास रचेगा सहस्त्रलिंगम शिवलिंग,

210 टन वजनी महादेव का दिव्य स्वरूप का आज गर्भगृह में होगा अधिष्ठापिन, हेलीकॉप्टर से होगा पुष्पवर्षा

बीएनएम@ डुमरियाघाट @अमित कुमार सिंह

» पूरा विश्व देखेगा शिवत्व का विराट स्वरूप, हर लिंग में विराजेंगे महादेव

पूर्वी चंपारण जिले के कल्याणपुर प्रखंड अंतर्गत जानकी नगर धाम स्थित विश्व के सबसे बड़े विराट रामायण मंदिर में आज शनिवार, 17 जनवरी 2026 को एक ऐतिहासिक, आध्यात्मिक और अलौकिक क्षण साकार होने जा रहा है। देवाधिदेव कैलाशपति महादेव के दिव्य स्वरूप सहस्त्रलिंगम शिवलिंग का विधिवत अधिष्ठापन आज पूरे वैदिक मंत्रोच्चार और धार्मिक अनुष्ठानों के साथ मंदिर के गर्भगृह में किया जाएगा।

• **तमिलनाडु से पूर्वी चंपारण तक आस्था की विराट यात्रा** : तमिलनाडु के महाबलीपुरम से 21 नवंबर 2025 को प्रारंभ हुई सहस्त्रलिंगम शिवलिंग की ऐतिहासिक यात्रा 05 जनवरी 2026 को पूर्वी चंपारण पहुंची थी। मद्रास (चेन्नई) से करीब 600 किलोमीटर दूर पहाड़ियों से प्राप्त लगभग 400 टन वजनी काले ग्रेनाइट शीला को वर्ष 2015 में महाबलीपुरम लाया गया था, जिसे कुशल शिल्पकारों ने दस वर्षों की साधना के बाद तराशकर वर्ष 2025 में 210 टन वजनी महादेव के दिव्य स्वरूप में परिवर्तित किया। इस विशाल शिवलिंग पर 1008 सूक्ष्म शिवलिंगों की दिव्य आकृतियां उकेरी गई हैं, जो इसे विश्व में अद्वितीय बनाती हैं।

• **700 टन क्षमता वाले क्रेनों से होगा अधिष्ठापन** : सहस्त्रलिंगम शिवलिंग को मंदिर के गर्भगृह में बने 70 फीट ऊंचे पैडेस्टल पर स्थापित करने के लिए मध्यप्रदेश समेत अन्य राज्यों से 700 टन तक वजन उठाने वाले अत्याधुनिक क्रेन मंगवाए गए हैं। शुक्रवार देर रात शिवलिंग को लाने वाले ट्रक ट्रेलर को गर्भगृह के समीप खड़ा कर दिया गया था, वहीं दोनों क्रेनों को पूरी तरह तैयार स्थिति में रखा गया है।

• **प्रशासनिक व धार्मिक निगरानी में चल रही तैयारी** : महावीर मंदिर न्यास बोर्ड, पटना के अध्यक्ष श्रद्धेय आचार्य किशोर कुणाल के पुत्र सायन कुणाल प्रतिदिन स्थल पर पहुंचकर तैयारियों की निगरानी कर रहे हैं। वहीं जिलाधिकारी सौरभ जोरवाल, पुलिस अधीक्षक स्वर्ण प्रभात, एसडीएम शिवानी शुभम, डीएसपी संतोष कुमार सहित जिले के वरीय अधिकारी लगातार मौके पर मौजूद रहकर व्यवस्थाओं पर नजर बनाए हुए हैं।

• **सुरक्षा के कड़े इंतजाम, बिना पास प्रवेश निषेध** : भव्य कार्यक्रम को लेकर प्रशासन पूरी तरह सतर्क है। श्रद्धालुओं की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए 16 जनवरी की संध्या से 17 जनवरी को कार्यक्रम समाप्ति तक मंदिर परिसर में निषेधाज्ञा लागू रहेगी। इस दौरान केवल वैध पासधारी एवं प्रशासनिक अनुमति प्राप्त व्यक्तियों को ही प्रवेश दिया जाएगा।

• **यातायात और पार्किंग की विशेष व्यवस्था** : केसरिया की ओर से आने वाले वाहनों का प्रवेश पूर्णतः प्रतिबंधित रहेगा। सभी वाहन केसरिया रोड स्कूल परिसर में पार्क होंगे राजपुर चौक उत्तर की पार्किंग श्रद्धालुओं के लिए आरक्षित रहेगा। अन्य वाहनों को साहेबगंज, कोटवा व कल्याणपुर की ओर डायवर्ट किया गया है। चकिया की ओर से आने वाले भारी वाहनों को एनएच-27 की ओर मोड़ा जाएगा। छोटे वाहनों के लिए चकिया इंडियन ऑयल पेट्रोल पंप के पास अस्थायी पार्किंग अलग-अलग प्रवेश द्वार और सात प्रमुख चेक पोस्ट है। श्रद्धालुओं के लिए अलग-अलग प्रवेश द्वार बनाए गए हैं। चकिया की ओर से आने वाले श्रद्धालु मुख्य प्रवेश द्वार से केसरिया की ओर से आने वालों के लिए अलग मार्ग वीवीआईपी अतिथियों के लिए विशेष प्रवेश द्वार सुरक्षा को लेकर सात प्रमुख चेक पोस्ट बनाए गए हैं, जिनमें चकिया पेट्रोल पंप, बेली पुल दक्षिणी छोर, मंदिर का VVIP गेट, मठिया हाई स्कूल, बापू कला केंद्र, दुर्गा मंदिर और केसरिया रोड स्कूल परिसर शामिल हैं।

• **हेलीकॉप्टर से होगा पुष्पवर्षा** : अधिष्ठापन के उपरांत यज्ञ मंडप में वैदिक मंत्रोच्चार, हवन-पूजन के साथ देश की विभिन्न नदियों से लाए गए पवित्र जल से हेलीकॉप्टर द्वारा महादेव का जलाभिषेक किया जाएगा। साथ ही आसमान से फूलों की वर्षा कर इस ऐतिहासिक क्षण को दिव्य स्वरूप प्रदान किया जाएगा। यह आयोजन न केवल पूर्वी चंपारण बल्कि पूरे देश के लिए धार्मिक, सांस्कृतिक और आध्यात्मिक इतिहास में स्वर्णिम अध्याय के रूप में दर्ज होगा।

तुरकौलिया में शराब के खिलाफ बड़ी कार्रवाई, पांच तस्कर गिरफ्तार, 600 लीटर शराब बरामद

बीएनएम @ तुरकौलिया

थाना क्षेत्र में पुलिस ने शराब के विरुद्ध विशेष छापेमारी अभियान चलाकर बड़ी सफलता हासिल की है। इस दौरान पांच शराब तस्करों को गिरफ्तार किया गया है, वहीं करीब 600 लीटर देशी और विदेशी शराब भी बरामद की गई है। इस कार्रवाई से इलाके में हड़कंप मच गया है। गिरफ्तार तस्करों की पहचान निमुईया मोड़ निवासी महंत यादव, कवलपुर के मैनेजर सहनी, चिलराव गांव के नंदलाल सहनी, नीरज कुमार यादव तथा वृत्तिटोला के राजेश राय के रूप में की गई है। बताया जाता है कि तुरकौलिया थानाध्यक्ष उमाशंकर मांझी के नेतृत्व में थाना क्षेत्र के अलग-अलग गांवों में शराब की तस्करी पर रोक लगाने के उद्देश्य से विशेष छापेमारी अभियान चलाया गया। थानाध्यक्ष उमाशंकर मांझी ने बताया कि अभियान के दौरान कुल 320 लीटर देशी शराब और 285 लीटर विदेशी शराब जब्त की गई है। जब्त विदेशी शराब में 180 एमएल की एट पीएम, ऑफिसर च्वाइस फ्रूटी तथा 750 एमएल की रॉयल स्टेज शराब शामिल है। उन्होंने बताया कि सभी आरोपियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने की प्रक्रिया चल रही है। पुलिस ने गिरफ्तार तस्करों से पूछताछ की है, जिसमें कई अन्य सहयोगियों के नाम सामने आए हैं। इसके बाद पुलिस ने उनके संभावित ठिकानों पर भी छापेमारी की है। पुलिस का कहना है कि शराब तस्करी के नेटवर्क को पूरी तरह ध्वस्त करने के लिए आगे भी सख्त कार्रवाई जारी रहेगा।

एनएच-28 पर कार–ई-रिक्शा की टक्कर, तीन महिला शिक्षिकाएं घायल

बीएनएम @ तुरकौलिया

मोतिहारी–छपवा एनएच-28 पर भेलाछपरा चौक के समीप कार और ई-रिक्शा के आमने-सामने टक्कर में तीन महिलाएं घायल हो गईं। घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। जानकारी के अनुसार हुंडई कंपनी की उजली वेन्यू कार मोतिहारी से छपवा की ओर जा रही थी। इसी दौरान विपरीत दिशा से आ रहे ई-रिक्शा से उसकी जोरदार भिड़ंत हो गई। टक्कर इतनी तेज थी कि ई-रिक्शा में सवार तीन महिलाएं गंभीर रूप से जख्मी हो गईं। घटना के बाद स्थानीय लोगों की मदद से घायल महिलाओं को इलाज के लिए मोतिहारी भेजा गया। बताया जा रहा है कि ई-रिक्शा पर सवार तीनों महिलाएं सरकारी विद्यालय की शिक्षिका हैं, जो स्कूल से घर लौट रही थीं। वहीं कार चालक को भी हल्की चोटें आई हैं। इस हादसे में एक इलेक्ट्रिक स्कूटी भी दुर्घटना की चपेट में आकर क्षतिग्रस्त हो गई, हालांकि स्कूटी सवार बाल-बाल बच गए। घटना की सूचना के बाद आसपास के लोगों ने यातायात सामान्य कराया।

प्रखंड स्तरीय मेगा शिविर का आयोजन, किसानों को दी गई सरकारी योजनाओं की जानकारी

बीएनएम @ पकड़ीदयाल

किसानों को समृद्ध और आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता विभाग द्वारा संचालित जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी गांव-गांव तक पहुंचाई जा रही है। इसी कड़ी में गुरुवार को पताही पश्चिमी पंचायत में पैक्स अध्यक्ष विनय कुमार पाण्डेय के आवास पर सहकारिता विभाग की ओर से प्रखंड स्तरीय मेगा शिविर का आयोजन किया गया। मेगा शिविर को संबोधित करते हुए प्रबंध निदेशक आकिब जावेद, ऋण प्रबंधक बैजू पासवान एवं पकड़ीदयाल शाखा के ब्रांच मैनेजर अजय राउत ने कहा कि सरकार किसानों और गरीब वर्ग के लिए कई कल्याणकारी योजनाएं चला रही है। सही जानकारी के अभाव में कई लोग लाभ से वंचित रह जाते हैं, इसलिए ऐसे शिविरों के माध्यम से योजनाओं की जानकारी देना आवश्यक है। उन्होंने किसानों से अपील की कि वे योजनाओं का लाभ लेकर स्वावलंबी बनें। वरीय प्रभारी आकिब जावेद ने केसीसी एवं स्वयं सहायता समूह के लाभार्थियों को बैंक द्वारा उपलब्ध कराए जा रहे कृषि ऋण की विस्तृत जानकारी दी। साथ ही प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना एवं प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना के लाभों के बारे में बताते हुए अधिक से अधिक खाताधारकों को इन योजनाओं से जुड़ने के लिए प्रेरित किया। शिविर में पैक्स अध्यक्ष विनय कुमार पाण्डेय, अशोक पाण्डेय, राकेश बिहारी पाण्डेय, अमरेन्द्र सिंह, अतुल कुमार पाण्डेय, विनोद राउत, रविभूषण पाण्डेय, धर्मेन्द्र पाण्डेय, सुशील कुमार पाण्डेय, मुरारी पाण्डेय सहित सैकड़ों ग्रामीण मौजूद रहे।

अज्ञात वाहन की ठोकर से बाइक सवार किशोर की मौत, परिवार में मचा कोहराम

बीएनएम @ सुगौली

नगर पंचायत क्षेत्र से होकर गुजरने वाली एनएच–28ए पर शुक्रवार देर शाम अज्ञात वाहन की ठोकर से बाइक सवार एक किशोर की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे के बाद इलाके में अफरा-तफरी मच गई, वहीं मृतक के परिजनों में कोहराम मचा हुआ है। मृतक की पहचान स्थानीय बाजार स्थित धान गोला निवासी अजय कुमार के पुत्र उत्सव कुमार के रूप में की गई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार उत्सव कुमार बाइक से सुगौली की ओर आ रहा था। इसी दौरान सुगौली–रक्सौल एनएच–28ए पर थाना चौक से करीब 500 मीटर की दूरी पर एक अज्ञात वाहन ने उसकी बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि किशोर ने घटनास्थल पर ही दम तोड़ दिया। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर आवश्यक कानूनी प्रक्रिया में जुट गई। पुलिस द्वारा अज्ञात वाहन की पहचान और मामले की जांच की जा रही है। इधर, हादसे की खबर मिलते ही मृतक के घर में मातम छा गया है। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है, जबकि मोहल्ले में शोक की लहर दौड़ गई है।

बंगाही हत्याकांड पर राजद नेता प्रभात किरण का आक्रोश, पुलिस पर लापरवाही का आरोप

बीएनएम @ मुजफ्फरपुर

जिले के बंदरा प्रखंड अंतर्गत बंगाही गांव में ममता देवी और उनके तीन मासूम बच्चों की नृशंस हत्या के बाद पूरे इलाके में शोक और आक्रोश का माहौल व्याप्त है। शुक्रवार को राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के वरिष्ठ नेता प्रभात किरण मृतका और उनके बच्चों के अंतिम संस्कार में शामिल हुए तथा शोक संतप्त परिजनों से मिलकर उन्हें सांत्वना दी। इस दौरान पत्रकारों से बातचीत में प्रभात किरण ने घटना की कड़े शब्दों में निंदा करते हुए इसे अमानवीय और दिल दहला देने वाला करार दिया। उन्होंने कहा कि एक मां और उसके तीन मासूम बच्चों की बेरहमी से हत्या प्रशासन की विफलता को उजागर करती है और यह पुलिस व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े करती है। अहियापुर थाना पुलिस पर गंभीर आरोप राजद नेता ने अहियापुर थाना पुलिस पर सीधी लापरवाही का आरोप लगाते हुए कहा कि 12 जनवरी को ही परिजनों द्वारा अपहरण की लिखित सूचना दी गई थी, लेकिन पुलिस ने समय रहते कोई ठोस कार्रवाई नहीं की। यदि पुलिस गंभीरता दिखाती तो इस जघन्य घटना को रोका जा सकता था।

कानून व्यवस्था पर सरकार को घेरा–प्रभात किरण ने बिहार की कानून व्यवस्था को पूरी तरह चरमराई हुई बताते हुए राज्य सरकार पर भी हमला बोला। उन्होंने कहा कि मौजूदा शासन में अपराधियों के हौसले बुलंद हैं और आम लोग असुरक्षित महसूस कर रहे हैं। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि बिहार में अब नीतीश कुमार की नहीं, बल्कि कुछ चुनिंदा नेताओं की सरकार चल रही है। उन्होंने वरीय पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) से मांग की कि अहियापुर थाना के दोषी पुलिसकर्मियों को चिन्हित कर उनके विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाए तथा फरार आरोपियों की अविलंब गिरफ्तारी सुनिश्चित की जाए। साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि वे इस मामले को लेकर शीघ्र ही तिरहुत प्रक्षेत्र के पुलिस महानिरीक्षक से मिलेंगे। इस मौके पर जय प्रकाश यादव, युवा नेता राजा यादव, दुर्गा शर्मा, मुखिया मो. सत्तार अंसारी, राणा रणधीर सिंह सहित कई गणमान्य लोग मौजूद रहे।

संवैधानिक व्यवस्था दायरे में नहीं

कोलकाता की घटना संघीय ढांचे के चरमराने का संकेत है। संबंधित पक्ष ऐसे विवादों से सड़कों पर निपटने लगें, तो उसका अर्थ है कि बात संवैधानिक व्यवस्था के दायरे में नहीं रह गई है। आखिर इस तरह की नौबत क्यों आई? कोलकाता में आई-पैक के दफ्तर पर प्रवर्तन निदेशालय के छापे का मुकाबला मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने सड़क पर उतर कर किया। ऐसा शायद पहली बार हुआ, जब एक केंद्रीय एजेंसी की कार्रवाई के बीच किसी मुख्यमंत्री ने इस तरह का दखल दिया हो। उस घटना के बाद से ममता बनर्जी और उनकी पार्टी ने इसको लेकर एक बड़ा राजनीतिक अभियान छेड़ रखा है। उधर ईडी ने सुप्रीम कोर्ट की पनाह ली है। ईडी का इल्जाम है कि आई-पैक एजेंसी से जुड़े व्यक्तियों ने हवाला के जरिए अवैध रूप से धन का लेन-देन किया है। जबकि तृणमूल कांग्रेस का आरोप है कि चूंकि आई-पैक को उसने अपने विधानसभा चुनाव अभियान के प्रबंधन का ठेका दिया है और इसलिए उसके पास पार्टी की रणनीति संबंधी आंकड़े हैं, तो उन्हें ही चुराने ईडी वहां गई थी। तृणमूल की शिकायत पर कोलकाता पुलिस ने दस्तावेजों की चोरी का केस दर्ज किया है। उसने उन ईडी तथा केंद्रीय शस्त्र बल के कर्मियों की पहचान शुरू कर दी है, जो आई-पैक के दफ्तर पर गए। तो इस रूप में ये मामला केंद्र और राज्य सरकारों के बीच टकराव में तब्दील हो गया है। यह भी उल्लेखनीय है कि तृणमूल ने अपनी शिकायत को बयानों या कानूनी चुनौती तक सीमित नहीं रखा। उसकी नेता एवं मुख्यमंत्री ने प्रत्यक्ष हस्तक्षेप से ईडी के छापे में रुकावट डाली। यह घटना देश के संघीय ढांचे के चरमराने का संकेत है। संबंधित पक्ष ऐसे विवादों से सड़कों पर निपटने लगें, तो उसका अर्थ है कि बात संवैधानिक व्यवस्था के दायरे में नहीं रह गई है। यह गंभीर विचार-विमर्श का विषय है कि ये नौबत क्यों आई? साफ वजह राजनीतिक वर्ग में आपसी भरोसे का टूट जाना है। विपक्षी खेमों में आम धारणा है कि केंद्रीय एजेंसियां सत्ताधारी भाजपा के सियासी मकसद को साधने का औजार बन गई हैं। इस दौर में कानूनों की व्याख्या के क्रम में न्यायपालिका ने भी राजनीतिक परिदृश्य की अनदेखी कर तकनीकी नजरिया अपना रखा है। ऐसे में तृणमूल को सड़क पर मुकाबला करना मुफीद महसूस हुआ होगा। लेकिन लोकतंत्र एवं संघीय व्यवस्था के लिए यह अच्छा संकेत नहीं है।

ईरान की उथल-पुथल एवं अमेरिका से टकराव गंभीर चुनौती

ललित गर्ग

ईरान में बार-बार उभरती उथल-पुथल केवल किसी एक घटना, किसी एक फैसले या किसी एक पीढ़ी का आक्रोश नहीं है, बल्कि यह उस ऐतिहासिक, वैचारिक और भू-राजनीतिक संरचना की परिणति है, जिसने 1979 की इस्लामिक क्रांति के बाद से इस देश को आकार दिया है। आज जब सड़कों पर विरोध के दृश्य, सोशल मीडिया पर आक्रोश और पश्चिमी विश्लेषकों की ओर से सत्ता परिवर्तन की अटकलें तेज हैं, तब यह समझना जरूरी हो जाता है कि ईरान का संकट साधारण आंतरिक असंतोष नहीं, बल्कि वैश्विक शक्ति-संतुलन से गहराई से जुड़ा हुआ प्रश्न है। ईरान की आंतरिक उथल-पुथल एवं अस्थिरता के साथ-साथ उसका अमेरिका के साथ टकराव युद्ध की स्थितियों एवं वैश्विक असंतुलन का बड़ा कारण बन रहा है। ईरान और अमेरिका के बीच बढ़ता टकराव केवल द्विपक्षीय तनाव नहीं है, बल्कि इसके दुष्प्रभाव पूरी दुनिया पर पड़ सकते हैं। इस संघर्ष से पश्चिम एशिया में युद्ध का खतरा बढ़ता है, जिसका सीधा असर वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति और तेल की कीमतों पर पड़ सकता है। होर्मुज जलडमरूमध्य में किसी भी तरह की अस्थिरता अंतरराष्ट्रीय व्यापार की धमनियों को बाधित कर सकती है, जिससे महंगाई और आर्थिक मंदी का खतरा बढ़ेगा। इसके साथ ही यह टकराव क्षेत्रीय देशों को प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से युद्ध में खींच सकता है, जिससे शरणार्थी संकट, आतंकवाद और साम्प्रदायिक तनाव गहराने की आशंका है। महाशक्तियों के परस्पर टकराव की स्थिति में विश्व राजनीति और अधिक धूरवीकृत होगी, अंतरराष्ट्रीय सहयोग कमजोर पड़ेगा और शांति की जगह अविश्वास व सैन्य प्रतिस्पर्धा का वातावरण बनेगा, जिसका खामियाजा अंततः पूरी मानवता को भुगतना पड़ सकता है। 1979 की इस्लामिक क्रांति ने ईरान में केवल शाह मोहम्मद रज़ा पहलवी को सत्ता से हटाकर एक नई सरकार स्थापित नहीं की थी, बल्कि एक ऐसी वैचारिक-राजनीतिक संरचना रची थी, जिसमें धर्म, राजनीति और सुरक्षा-तंत्र एक-दूसरे में घुलमिल गए। 'विलायत-ए-फकीह' की अवधारणा के तहत सर्वोच्च धार्मिक नेतृत्व को अंतिम राजनीतिक अधिकार सौंपा गया। इसी व्यवस्था के संरक्षण और विस्तार के लिए इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कोर यानी आईआरजीसी को खड़ा किया गया, जो समय के साथ केवल सैन्य शक्ति नहीं, बल्कि आर्थिक, राजनीतिक और वैचारिक ताकत का भी केंद्र बन गया। यही कारण है कि ईरान की व्यवस्था को केवल सरकार या शासन कहकर नहीं समझा जा सकता; यह एक संपूर्ण तंत्र है, जिसे हटाने के लिए केवल विरोध-प्रदर्शन पर्याप्त नहीं होते।

ईरान ने पिछले चार दशकों में कई बड़े जनांदोलन देखे हैं। 2009 का ग्रीन मूवमेंट, 2017-18 की आर्थिक असंतोष की लहर, 2019 में ईंधन मूल्य वृद्धि के खिलाफ उग्र प्रदर्शन और 2022 में सामाजिक स्वतंत्रताओं को लेकर उठी आवाजेंकृहर बार यह माना गया कि शायद अब व्यवस्था डगमगाएगी। लेकिन हर बार वही सत्ता, वही ढांचा और वही शक्ति-संतुलन कायम रहा। इसकी सबसे बड़ी वजह यह है कि ईरान में सुरक्षा-तंत्र राज्य से अलग नहीं, बल्कि राज्य का ही विस्तार है। अरब स्प्रिंग के दौरान मिस्र या तुर्किए में सेनाओं ने अंततः राष्ट्र-राज्य को बचाने का रास्ता चुना, लेकिन ईरान में आईआरजीसी खुद को क्रांति और इस्लामिक रिपब्लिक का संरक्षक मानती है, न कि केवल सीमाओं की रक्षा करने वाली संस्था। फिर भी यह कहना गलत होगा कि ईरान की व्यवस्था पर कोई दबाव नहीं है। वास्तव में, आज का दबाव पहले से कहीं अधिक जटिल और गहरा है। इसका सबसे बड़ा कारण है पीढ़ीगत बदलाव। ईरान की आबादी का बड़ा हिस्सा युवा है, जिसने 1979 की क्रांति न देखी है और न ही उससे भावनात्मक रूप से जुड़ा है। उनके लिए क्रांति कोई जीवित स्मृति नहीं, बल्कि इतिहास की किताबों का अध्याय है। उनकी आकांक्षाएं इंटरनेट, वैश्विक संस्कृति, शिक्षा, रोजगार और व्यक्तिगत स्वतंत्रताओं से प्रेरित हैं। जब ये आकांक्षाएं एक सख्त सामाजिक-राजनीतिक व्यवस्था से टकराती हैं, तो असंतोष स्वाभाविक रूप से जन्म लेता है। इस असंतोष को और तीखा बनाया है दशकों से चले आ रहे अमेरिकी और पश्चिमी प्रतिबंधों ने। इन प्रतिबंधों ने ईरान की अर्थव्यवस्था को गंभीर रूप से प्रभावित किया है। तेल निर्यात सीमित हुआ, विदेशी निवेश रुका, मुद्रा कमजोर पड़ी और महंगाई ने आम नागरिक की कमर तोड़ दी। विकास और आधुनिकीकरण की गति धीमी पड़ी, जिससे खासकर शहरी मध्यम वर्ग और युवा वर्ग में भविष्य को लेकर निराशा बढ़ी। आज ईरान के कई नागरिक यह सवाल पूछ रहे हैं कि क्या अमेरिका और इजराइल के साथ अंतहीन दुश्मनी का बोझ उन्हीं के कंधों पर डाला जाना जरूरी है। धीरे-धीरे यह वैचारिक टकराव राष्ट्रवादी गौरव से अधिक सामाजिक बोझ के रूप में देखा जाने लगा है। अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ता तनाव इस पूरे परिदृश्य को और खतरनाक बना देता है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ओर से ईरान से व्यापार करने वाले देशों पर अतिरिक्त टैरिफ लगाने के आदेश और सैन्य हस्तक्षेप के संकेतों ने पश्चिम एशिया को एक बार फिर युद्ध के मुहाने पर ला खड़ा किया है। ईरान आज 1979 के बाद से शायद सबसे गंभीर बाहरी दबाव का सामना कर रहा है। यह टकराव केवल दो देशों के बीच का संघर्ष नहीं है, बल्कि यह एक ऐसा भू-राजनीतिक खेल बन चुका है, जिसमें महाशक्तियां अपने-अपने हित साधना चाहती हैं। अकसर यह धारणा बनाई जाती है कि बाहरी हस्तक्षेप से ईरान में सत्ता परिवर्तन संभव है। लेकिन इतिहास बताता है कि ईरान में विदेशी दखलअंदाजी ने हमेशा उल्टा असर डाला है। 1953 में मोसादेग सरकार के तख्तापलट से लेकर आज तक, 'विदेशी साजिश' का कथानक ईरानी राष्ट्रवाद को मजबूत करता रहा है। बाहरी समर्थन से होने वाले आंदोलनों को जनता का व्यापक और स्थायी समर्थन नहीं मिल पाता। यही वजह है कि विपक्षी नेतृत्व, जो अक्सर देश से बाहर बैठा होता है, ईरान के भीतर विश्वसनीय विकल्प नहीं बन सका। इसके अलावा, ईरान वेनेजुएला नहीं है। यह एक बड़ा, संगठित और रणनीतिक रूप से अत्यंत महत्वपूर्ण देश है, जिसकी पकड़ इराक, सीरिया, लेबनान और यमन तक फैली हुई है। यहां किसी भी प्रकार का सैन्य हस्तक्षेप पूरे पश्चिम एशिया को आग में झोंक सकता है। इजराइल, खाड़ी देश, अमेरिका और यूरोपीय शक्तियां-सब इसके प्रभाव में आएंगे। चीन और रूस भी एक अस्थिर ईरान नहीं चाहते, क्योंकि वह उनके क्षेत्रीय और वैश्विक हितों के खिलाफ होगा। यह बहुध्रुवीय संतुलन ईरान की व्यवस्था को एक अप्रत्यक्ष सुरक्षा कवच प्रदान करता है। ईरान के भीतर आम नागरिकों का गुस्सा अब केवल आर्थिक कुप्रबंधन या भ्रष्टाचार तक सीमित नहीं रह गया है। एक बड़ा वर्ग यह मानने लगा है कि शासन की प्राथमिकताएं आम लोगों की जरूरतों से कट चुकी हैं। जब नागरिक भोजन, रोजगार और सम्मानजनक जीवन की मांग कर रहे हों, तब बाहरी दुश्मनों के खिलाफ वैचारिक युद्ध और यहूदी-विरोधी राजनीति उन्हें खोखली प्रतीत होती है। कई ईरानी मानते हैं कि इसी नीति ने देश को अंतरराष्ट्रीय अलगाव में धकेला और आर्थिक बर्बादी को जन्म दिया। यदि ईरान में बाहरी मदद से सत्ता परिवर्तन की कोशिश होती है, तो इसके परिणाम केवल ईरान तक सीमित नहीं रहेंगे। मध्य पूर्व में शक्ति-संतुलन बुरी तरह बिगड़ सकता है। शिया-सुन्नी तनाव, इजराइल-ईरान संघर्ष और वैश्विक ऊर्जा बाजार-सब पर इसका गहरा असर पड़ेगा। भारत के लिए यह स्थिति विशेष रूप से चुनौतीपूर्ण होगी। भारत के ईरान के साथ ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और रणनीतिक संबंध रहे हैं। चाबहार बंदरगाह से लेकर ऊर्जा सुरक्षा तक, ईरान भारत की विदेश नीति में अहम स्थान रखता है। ऐसे में भारत को अत्यंत सावधानी के साथ अपने रणनीतिक संतुलन को बनाए रखना होगा, ताकि वह किसी एक ध्रूव का मोहरा बनने के बजाय अपने राष्ट्रीय हितों की रक्षा कर सके। अंततः, ईरान की वर्तमान उथल-पुथल यह संकेत देती है कि व्यवस्था पर दबाव वास्तविक है, लेकिन तात्कालिक पतन की भविष्यवाणियां अक्सर जल्दबाजी साबित होती हैं। यह संघर्ष केवल सत्ता परिवर्तन का नहीं, बल्कि पहचान, वैचारिक दिशा और भविष्य की कल्पना का संघर्ष है। ईरान का भविष्य संभवतः न तो अचानक क्रांति से बदलेगा और न ही केवल दमन से स्थिर रहेगा। यह एक लंबी, जटिल और अंतर्द्वंद्वों से भरी प्रक्रिया होगी, जिसके परिणाम न केवल ईरान, बल्कि पूरी दुनिया की राजनीति को प्रभावित करेंगे।

वैश्विक दबावों से परे भारत की आर्थिक उड़ान

डॉ. मयंक चतुर्वेदी

अमेरिका के लाख दबाव के बाद भी भारत की आर्थिक ग्रोथ होना बताता है कि हम सही दिशा में हैं। वस्तुतः ये दुनिया के उन तमाम देशों के लिए भी मूक संदेश है कि कभी एक या सीमित देशों पर निर्भर नहीं रहना चाहिए, लाख असहमति के बाद भी दुनिया में एक साथ अनेक मित्र बनाए जा सकते हैं, संतुलित मित्रता, बहुआयामी साझेदारी और आत्मनिर्भरता ही भविष्य का रास्ता है, जिसका आज भारत सशक्त उदाहरण है। क्योंकि केंद्र की मोदी सरकार के नेतृत्व में भारतीय अर्थव्यवस्था ने यह साफ कर दिया है कि वह किसी एक देश या बाजार पर निर्भर नहीं है। इसलिए ही अमेरिका सहित वैश्विक शक्तियों के दबावों के बावजूद भारत ने निर्यात, उत्पादन और सेवाओं के क्षेत्र में आज मजबूती दिखाई है। वाणिज्य मंत्रालय के ताजा आंकड़े इस आत्मविश्वास की ठोस तस्वीर पेश करते हैं। अप्रैल से दिसंबर 2025 के बीच भारत का कुल निर्यात, जिसमें माल और सेवाएं दोनों शामिल हैं, 634.26 बिलियन अमेरिकी डॉलर तक पहुंचा। यह पिछले वर्ष की समान अवधि के 607.93 बिलियन डॉलर के मुकाबले 4.33 प्रतिशत की उल्लेखनीय वृद्धि है। इसी तरह से अप्रैल से दिसंबर 2025 के दौरान माल निर्यात 330.29 बिलियन डॉलर तक पहुंचा, यह भी 322.41 बिलियन डॉलर पिछले वर्ष की तुलना से 2.44 प्रतिशत अधिक है। विशेष रूप से गैर पेट्रोलियम निर्यात का 288.16 बिलियन डॉलर तक पहुंचना और 5.51 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज करना यह दर्शाता है कि भारत ऊर्जा आयात पर निर्भरता घटाते हुए विविध क्षेत्रों में मजबूती बना रहा है। दिसंबर 2025 में ही माल निर्यात 38.51 बिलियन डॉलर रहा, जोकि इससे एक वर्ष पूर्व 2024 के दिसंबर के आंकड़े से बेहतर है। इस बीच हमें इलेक्ट्रॉनिक्स निर्यात में तेज उछाल देखने को मिला, जहां यह 3.57 बिलियन डॉलर से बढ़कर 4.17 बिलियन डॉलर तक पहुंच गया। फार्मा सेक्टर ने अपनी विश्वसनीयता बनाए रखते हुए स्थिर वृद्धि दर्ज की है। इंजीनियरिंग गुड्स और समुद्री उत्पादों ने भी निरंतर मांग के दम पर मजबूती दिखाई देती है। कहना होगा ऐसे सकारात्मक वातावरण में खाद्य प्रसंस्करण और कृषि आधारित निर्यात भी पीछे नहीं रहे। मीट, डेयरी और पोल्ट्री उत्पादों में आई वृद्धि दर्शाती है कि ग्रामीण भारत वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला का अहम हिस्सा बन चुका है। देखने में आ रहा है कि जहां माल निर्यात उत्पादन क्षमता को दर्शाता है, वहीं सेवाओं का निर्यात भारत की बौद्धिक और तकनीकी शक्ति का प्रमाण है। अप्रैल से दिसंबर 2025 के बीच सेवाओं का अनुमानित निर्यात 6.46 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 303.97 बिलियन डॉलर रहा है। आईटी, सॉफ्टवेयर और बिजनेस सर्विसेज ने यह सुनिश्चित किया कि वैश्विक मंदी के संकेतों के बावजूद भारत की आर्थिक स्थिति मजबूत बनी रहेगी। हालांकि दिसंबर 2025 में कुल निर्यात में हल्की गिरावट जरूर दर्ज की गई, किंतु सेवाओं का निर्यात 35.50 बिलियन डॉलर पर स्थिर रहा। यही वह क्षेत्र है जिसने ट्रेड बैलेंस को संभालने में निर्णायक भूमिका निभाई। ऐसे में 151.74 बिलियन डॉलर का ट्रेड सरप्लस यह दिखाता है कि भारत इस वक्त आयात आधारित अर्थव्यवस्था नहीं रही है, यह निर्यात प्रेरित विकास मॉडल की ओर तेजी से बढ़ रहा है। यहां समझने के लिए यह भी है कि भारत की निर्यात सफलता का एक बड़ा कारण उसका बदला हुआ वैश्विक दृष्टिकोण है। वह आज किसी एक देश पर निर्भर नहीं रह कर सभी के साथ अपने मित्रवत संबंध बनाने में सफल दिखता है। तमाम असहमतियों के बीच भी अमेरिका के साथ मजबूत व्यापारिक रिश्ते उसके बने ही हुए हैं। साथ ही एशिया, यूरोप, मध्य पूर्व और अफ्रीका में भी अपने बाजारों का विस्तार किया है। चीन को निर्यात में दर्ज की गई तेज वृद्धि यह दर्शाती है कि यहां भी राजनीतिक असहमति के बावजूद आर्थिक संवाद और व्यापारिक संभावनाएं खुली रखी जा सकती हैं। यूएई, मलेशिया, स्पेन और हॉन्गकॉन्ग जैसे बाजारों में भारतीय उत्पादों की बढ़ती मांग इस बात का प्रमाण है कि एक दुनिया, अनेक मित्र की नीति व्यावहारिक और लाभकारी भी है। यह रणनीति वैश्विक अस्थिरता के दौर में भारत को जोखिमों से बचाती है और नए अवसरों के द्वार खोलती है। हालांकि यह सच भी है कि आयात में वृद्धि होने के बाद भी मर्चेंडाइज ट्रेड डेफिसिट एक चुनौती बना हुआ है। किंतु इसे कमजोरी के रूप में देखने के बजाय संक्रमणकालीन चरण के रूप में समझना अधिक उचित होगा। क्योंकि इंफ्रास्ट्रक्चर, मशीनरी और कच्चे माल का आयात भविष्य की उत्पादन क्षमता को मजबूत करने का आधार है। दूसरी ओर सोना और कुछ गैर जरूरी आयातों में आई कमी यह बताती है कि नीतिगत स्तर पर संतुलन साधने की कोशिशें जारी हैं। कहना यही होगा कि मोदी सरकार की उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन योजनाएं, मुक्त व्यापार समझौते और लॉजिस्टिक्स सुधार आने वाले वर्षों में भारत के निर्यात को नई ऊंचाइयों पर ले जाने वाले हैं। लक्ष्य पूरी तरह स्पष्ट है कि भारत को एक सफल वैश्विक मैन्युफैक्चरिंग और सर्विस हब बनाया जाना है, जिसके लिए जमीन पर अनेक कार्य होते हुए आज दिखाई दे रहे हैं। वस्तुतः आज किसान, कारीगर, स्टार्टअप संस्थापक और आईटी पेशेवर, हर वर्ग यह महसूस कर रहा है कि भारत की अर्थव्यवस्था सही दिशा में बढ़ रही है। आज विश्व स्तर के तमाम दबावों के बीच भी सकारात्मक ग्रोथ बनाए रखना इस बात का प्रमाण है कि भारत ने आत्मनिर्भरता और वैश्विक सहयोग के बीच संतुलन साधने का अपने में हुनर पा लिया है। ऐसे में साल 2025 का यह निर्यात प्रदर्शन उस भविष्य की झलक है जहां भारत आत्मविश्वास के साथ कह सकता है कि हम अब आत्मनिर्भर हैं, हम दुनिया के साथ हैं और अपनी शर्तों पर आगे बढ़ रहे हैं। यही नया भारत है और यही उसकी आर्थिक उड़ान की आज की सफलतम कहानी है।

आज का राशिफल

मेष राशि- लवमेट के लिए आज का दिन बहुत अच्छा रहेगा आज आपका दिन खुशियों से भरा रहेगा। आज कुछ मुश्किलें रहेंगी, लेकिन आप सकारात्मक सोच रख कर उनका हल निकाल लेंगे। घर में व्यवस्था बनाए रखने तथा रखरखाव संबंधी कार्यों में व्यस्तता रहेगी। किसी नजदीकी व्यक्ति की समस्या में उसका सहयोग करने से खुशी मिलेगी।

वृष राशि - आज आपके रुके हुए कार्य पूर्ण होंगे आज आपका दिन लाभदायक रहेगा। अपनी काबिलियत के दम पर अच्छे लोगों के साथ रिश्ते को मजबूत बनायेंगे। किसी भी कार्य में दूसरों की मदद से अपेक्षा न करें तथा अपनी योग्यता पर ही विश्वास रखें, आपको निश्चित फायदा होगा। वित्तीय मामलों को लेकर लिया गया निर्णय फायदेमंद साबित होगा।

मिथुन राशि - आज आपको अपने मेहनत का फल जरूर मिलेगा आज आपका दिन एक नयी उमंग लेकर आयेगा। इस राशि की महिलाएं अपने मान-सम्मान को लेकर विशेष रूप से सजग रहेगी तथा दूसरों की बातों में न आकर अपने निर्णय को ही प्राथमिकता देगी। आपके काम को लेकर आपके परिवार वाले तारीफ करेंगे। आपका मन प्रसन्न रहेगा। आपको अपने मेहनत का फल जरूर मिलेगा।

कर्क राशि - आपको आज शुभ सन्देश मिलेगा आज आपका दिन उत्साह से भरा रहेगा। कारोबारी गतिविधियों में समय अनुसार बदलाव की जरूरत है। इलेक्ट्रॉनिक्स का सामान खरीदने का विचार बना रहे, लोगों के लिए आज अच्छा समय है। परिवारजनों के साथ सुखद समय व्यतीत होगा। आज मनोरंजन का प्रोग्राम बनेगा। आज आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। आप स्वयं को ऊर्जा से भरा महसूस करेंगे।

सिंह राशि - आप कुछ नये विचारों पर काम करेंगे आज आपका दिन अच्छा रहेगा। आज कुछ अच्छे लोगों से आपकी मुलाकात हो सकती है। किसी काम में उनकी मदद भी मिलेगी। आप कुछ नये विचारों पर काम करेंगे। ये विचार आपको अधिक मुनाफा देंगे। आप अपने स्वास्थ्य का पूरा ख्याल रखेंगे। अपने लक्ष्य पर फोकस करेंगे तो जल्दी ही आपको सुखद परिणाम मिलेंगे। कठिन से कठिन कार्य को आप अपने दृढ़ निश्चय से पूरी करने की क्षमता रखेंगे।

कन्या राशि- तरक्की के नए रास्तें खुलेंगे आज आपका दिन शानदार रहेगा। जॉब के लिए आपको किसी अधिकारी का पूरा सहयोग मिलेगा। तरक्की के नए रास्तें खुलेंगे। ऑफिस में सब आपके काम की तारीफ करेंगे, बॉस आपको शाबाशी देंगे। राजनीति में आपको कुछ नया अनुभव मिलेगा।

तुला राशि- आपकी आर्थिक समस्या काफी हद तक सुलझ सकती है आज आपका दिन बढ़िया रहेगा। आज अनावश्यक खर्चों पर कटौती करने से आपकी आर्थिक समस्या काफी हद तक सुलझ सकती है। आप अपनी महत्वपूर्ण वस्तुएं संभाल कर रखें। कारोबारी गतिविधियां व्यवस्थित रहेगी, लेकिन लेनदेन संबंधी मामलों को सावधानी रखें।

वृश्चिक राशि - आर्थिक स्थिति पर ध्यान देने की जरूरत आज का दिन बेहतर रहेगा। आप अपने विनम्र व्यवहार से सबका दिल जीतेंगे। किसी भी चुनौती का आप सूझबूझ से समाधान निकाल लेंगे। व्यस्तता के बावजूद आप अपने व्यक्तिगत कार्यों को भी सहज तरीके से निपटा लेंगे।

धनु राशि- उन्नति के कई सुनहरे अवसर आपको मिलेंगे आज आपका दिन लकी रहेगा। इस राशि के स्टूडेंट्स को ज्यादा मेहनत करने की जरूरत है। सफलता के अच्छे अवसर जल्द ही मिलेंगे। आज सरकारी नौकरी में चल रही समस्याओं का समाधान मिलेगा। घर के वरिष्ठ सदस्यों के स्वास्थ्य और मान-सम्मान का ध्यान जरूर रखें तथा उनके मार्गदर्शन पर अमल करें।

मकरराशि- किसी पुराने मित्र से मुलाकात होगी आज आपका दिन फेवरेबल रहेगा। प्रियजनों से मिलना आपके लिए खुशी का माहौल बनाएगा। आपको आपकी मनपसन्द वस्तु मिलेगी, जिससे आप बहुत ही अधिक प्रसन्न होंगे। आज पिछले कुछ समय से चल रही समस्या का समाधान मिलेगा और आप अपने अन्य कामों पर भी ध्यान दे पाएंगे।

कुंभ राशि- लापरवाही की वजह से कई मौका हाथ से निकल जायेंगे आज आपका दिन बेहद खुशनुमा रहेगा। आज अत्यधिक व्यस्तता के बावजूद आप परिवार और व्यवसाय में उचित सामंजस्य बनाकर रखेंगे। अपना उत्साह बनाए रखें क्योंकि लापरवाही की वजह से कई मौका हाथ से निकल जायेंगे।

मीन राशि- नया घर खरीद सकते हैं आज आपका दिन सुनहरा रहेगा। वरिष्ठ जनों का मार्गदर्शन मिलने की वजह से कई महत्वपूर्ण निर्णय लेने में आपको आसानी होगी। भावनाओं में बहकर आप अपनी महत्वपूर्ण बात किसी के साथ शेयर न करें। कुछ समय बच्चों की परेशानियों को सुलझाने के लिए भी अवश्य निकालें। इससे उनका मनोबल बढ़ेगा। नया घर खरीदने का विचार बना रहे लोग आज डील फाइनल कर लेंगे।

यमुना को बचाने के लिए जरूरी हैं छोटे प्रयास

प्रदीप श्रीवास्तव

दिल्ली की जीवनरेखा मानी जाने वाली यमुना नदी को साफ़ करने के लिए बीते तीन दशकों में हज़ारों करोड़ रुपये खर्च किए जा चुके हैं। केंद्र और राज्य सरकारों की संयुक्त कोशिशों, विदेशी सहायता और न्यायिक हस्तक्षेप के बावजूद यमुना की स्थिति आज भी चिंताजनक बनी हुई है। विशेषज्ञों का मानना है कि सरकारें अभी तक यमुना को साफ़ करने की मूलभूत रणनीति को ही नहीं समझ पाई हैं। नतीजा यह है कि यमुना, जो कभी दिल्ली की प्यास बुझाने वाली नदी थी, आज एक "मरी हुई नदी" बनती जा रही है। जबकि, बहुत छोटे स्तर पर एक एनजीओ द्वारा किया गया प्रयास रंग लाने लगा है। क्योर एनजीओ ने बहुत छोटे स्तर पर मलिन बस्तियों से निकलने वाले सीवेज को साफ करना शुरू कर दिया है, जो यमुना में जाकर मिलता है। विशेषज्ञों की मानें तो अगर इस मॉडल को दिल्ली की सभी मलिन बस्तियों में लागू कर दिया जाए, तो यमुना को साफ करने में काफी हद तक कामयाबी पाई जा सकती है। दिल्ली की सबसे बड़ी समस्या सीवेजः यमुना नदी की कुल लंबाई लगभग 1,376 किलोमीटर है लेकिन उसमें मिलने वाले कुल प्रदूषण का 70% हिस्सा केवल दिल्ली से आता है। दिल्ली के भीतर बहने वाला लगभग 22 किलोमीटर लंबा हिस्सा यमुना का सबसे ज़्यादा प्रदूषित भाग है। अदिल्ली जल बोर्ड और सेंट्रल पॉल्यूशन कंट्रोल बोर्ड की रिपोर्ट (2023) के अनुसार, दिल्ली 720 मिलियन गैलन प्रतिदिन सीवेज उत्पन्न करती है। लेकिन इसके शोधन की क्षमता लगभग 597 मिलियन गैलन प्रतिदिन ही है। वास्तविकता यह है कि चालू स्थिति में सिर्फ़ 514 मिलियन गैलन प्रतिदिन सीवेज ट्रीट होता है। यानी लगभग 200 मिलियन गैलन प्रतिदिन से अधिक सीवेज बिना शुद्धिकरण के सीधे यमुना में चला जाता है। दिल्ली में कुल 35 सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट हैं, लेकिन इनमें से 50% अपनी क्षमता से कम काम कर रहे हैं। दिल्ली अर्बन शेल्टर इंप्रूवमेंट बोर्ड के अनुसार, दिल्ली में 1,800 से अधिक अनधिकृत कॉलोनियाँ और लगभग 750 मलिन बस्तियाँ हैं, जिनसे निकलने वाला सीवेज केंद्रीकृत सीवर नेटवर्क से जुड़ा ही नहीं है। इसका मतलब है कि बड़ी योजनाएँ और एसटीपी लगाने के बावजूद, जब तक इन बस्तियों और कॉलोनियों को ध्यान में रखकर विकेंद्रीकृत समाधान नहीं अपनाया जाएगा, तब तक यमुना को साफ़ करना संभव नहीं है। छोटे प्रयास, बड़ा असरः दिल्ली के वसंत विहार इलाके के शिवा कैंप में सेंटर फ़ॉर अरबन एंड रेज़िलिएंस एक्सिलेंस एनजीओ बहुत प्रभावी है। क्योरने यहाँ डिसेंट्रलाइज़्डवेस्टवाटर ट्रीटमेंट सिस्टम लगाया है। यह सिस्टम इंटरसेप्टिक टैंक और बायो-रेमेडिएशन तकनीक पर काम करता है।बस्ती से निकलने वाला सीवेज पहले इंटरसेप्टिक टैंक में जमा होता है, जहाँ भारी गाद और ठोस अपशिष्ट बैठ जाते हैं। इसके बाद यह पानी एक बायो-फिल्टर यूनिट से गुजरता है, जिसमें प्राकृतिक बैक्टीरिया, पौधे और बायो मीडिया गंदगी को तोड़कर साफ़ कर देते हैं। अंत में पानी इतना साफ़ हो जाता है कि उसका उपयोग सिंचाई, ग्राउंडवॉटर रिचार्ज या सामुदायिक उपयोग में किया जा सकता है। इस मॉडल के फायदेः सीवेज को यमुना तक पहुँचने से पहले ही रोक दिया जाता है। महंगे एसटीपी और बड़े ड्रेनेज नेटवर्क पर निर्भरता कम होती है।स्थानीय स्तर पर रोज़गार और सामुदायिक भागीदारी बढ़ती है। बस्ती में स्वास्थ्य और स्वच्छता की स्थिति सुधरती है। दिल्ली के वसंत विहार इलाका स्थित शिवा कैंप, एक छोटी मलिन बस्ती है, जहाँ करीब 105 घर और लगभग 735 लोग रहते हैं। यहां काम कर रहे एक एनजीओ क्योर ने एक इंटरसेप्टिक टैंक लगाया, जो बस्ती से निकलने वाले सीवेज को साफ़ करता है। सिर्फ छह महीनों में इस मॉडल ने बस्ती की तस्वीर बदल दी। अब यहाँ मच्छर और गंदगी जनित बीमारियाँ कम हो गईं। लोगों का स्वास्थ्य बेहतर हुआ और आय में सुधार हुआ। अब बस्ती के लोग खुद मानते हैं कि बीमारी पर होने वाला खर्च कम हुआ है। यहाँ के राजू प्रधान, जो अघोषित तौर पर इस बस्ती के कर्ताधर्ता हैं, कहते हैं कि यहाँ गंदगी इतनी होती थी कि पहले यहाँ कूड़े वाली गाड़ी नहीं आती थी, लेकिन बाद में जब यहाँ एनजीओ वालों ने सफ़ाई की अलख जगाई, तब यहाँ पर इतनी सफ़ाई हो गई कि अब कूड़े वालों को यहाँ आने में भी कोई दिक्कत नहीं होती है। वे कहते हैं कि यहाँ हर चीज में तीन माह में ही फ़र्क दिखने लगा। वहीं, यहाँ के एक निवासी बृजमणि कहती हैं कि यहाँ गंदगी के कारण लोगों के सिर में दर्द की शिकायत रहती थी, जबकि कई लोग माइग्रेन और त्वचा से संबंधित बीमारियों से पीड़ित थे, लेकिन यहाँ सफ़ाई व्यवस्था ठीक होने के कारण सब अच्छा हो गया और अब परेशानियाँ भी काफी कम हो गई है। जबकि, आरती कहती हैं कि पहले मच्छर और मक्खियों की भरमार रहती थी लेकिन अब सफ़ाई होने के यहाँ गंदगी बहुत कम हो गई है। टायलेट की भी व्यवस्था काफी अच्छी है। मुस्कान कहती हैं कि अब रिश्तेदार भी यहाँ की सफ़ाई की तारीफ़ करते हैं। पहले रिश्तेदारों को बुलाने में शर्म महसूस होती थी, क्योंकि यहाँ काफी गंदगी रहती थी, लेकिन अब यहाँ पर कोई भी आ जाए, हमें कोई दिक्कत नहीं होती है। असल में देखा जाए तो यमुना की सफाई काफी हद तक छोटे-छोटे प्रयासों में छिपी है। दिल्ली अर्बन शेल्टरइंप्रूवमेंट बोर्ड और डीडीए के अनुसार, दिल्ली में करीब 750 मलिन बस्तियाँ हैं, जिनमें 3.5 लाख परिवार और 30 लाख से अधिक लोग रहते हैं। यदि शिवा कैंप जैसा मॉडल हर बस्ती में लागू किया जाए तो यमुना में गिरने वाला अनट्रीटेड सीवेज कम हो सकता है। जल प्रदूषण में भारी गिरावट आ सकती है और यमुना को पुनर्जीवित करने का सपना साकार हो सकता है। क्यों ज़रूरी है विकेंद्रीकृत मॉडलः दिल्ली की 750 मलिन बस्तियों में से अधिकांश केंद्रीकृत सीवर नेटवर्क से जुड़ ही नहीं सकतीं क्योंकि वे नदी किनारे, रेलवे लाइन और सरकारी भूमि पर बसी हैं। इन बस्तियों का सीवेज सीधे नालोंके ज़रिए यमुना में चला जाता है। अगर हर बस्ती में क्योर जैसा डिसेंट्रलाइज़्ड वेस्ट वाटर ट्रीटमेंट सिस्टम लगाया जाए, तो प्रतिदिन लगभग 100–120 MGD सीवेज यमुना में जाने से रोका जा सकता है। यह बड़े प्रयासों की तुलना में सस्ता, तेज़ और स्थानीय समाधान है।

प्रकाशक एवं स्वामी सागर सूरज, द्वारा सरोतर निवास, राजाबाजार-कचहरी रोड, मोतिहारी, बिहार-845401 से प्रकाशित व प्रकाश प्रेस मोतिहारी से मुद्रित, संपादक-सागर सूरज* फोन न.9470050309 प्रसारः-9931408109 ईमेलः-bordernewsmirror@gmail.com वेबसाइटः-bordernewsmirror.com (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार) RNI. N. BIHBIL/2022/88070

सुंदर न्यूजीलैंड के खिलाफ टी20 सीरीज से भी बाहर हुए

एजेंसी, मुम्बई

टी20 विश्व कप 2026 में खेलना भी संदिग्ध

भारतीय क्रिकेट टीम को न्यूजीलैंड के खिलाफ होने वाली पांच टी20 मैचों की सीरीज से पहले ही करारा झटका लगा है। टीम के स्पिन ऑलराउंडर वाशिंगटन सुंदर एकदिवसीय के बाद अब टी20 सीरीज से भी बाहर हो गये है। सुंदर को पहले एकदिवसीय में चोट लग गयी थी। इस कारण वह दूसरे और तीसरे एकदिवसीय से भी बाहर हो गये थे। वहीं अब वह टी20 सीरीज में भी नहीं खेलेंगे। एक रिपोर्ट के अनुसार वह अभी तक पसली की चोट से नहीं उबर पाये हैं। वडोदरा में एकदिवसीय सीरीज के पहले मैच के दौरान ही उन्हें ये चोट लगी थी। अभी ये तय नहीं है कि सुंदर टी20 विश्व कप 2026 में खेल पायेंगे या नहीं। भारत और न्यूजीलैंड के बीच पांच मुकाबलों की टी20 सीरीज 21 जनवरी से नागपुर में शुरु हो रही है। वहीं विश्वकप अगले माह 7 फरवरी से खेला जाएगा। एक रिपोर्ट के अनुसार सुंदर का अभी ठीक होने में समय लगेगा। अभी ये पता नहीं चला है कि वह टी20 विश्व कप से पहले पूरी तहर से ठीक हो पाएंगे या नहीं। वह शनिवार को रिहैब के लिए बेंगलुरु स्थित सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (सीओई) में पहुंचेंगे। उसी के बाद पता चलेगा कि उन्हें ठीक होने में कितना समय लगेगा। सुंदर की जगह आयुष बडोनी को एकदिवसीय टीम में शामिल किया गया था। बडोनी बल्लेबाजी के साथ ही स्पिन गेंदबाजी भी करते हैं। अब देखना है कि उन्हें टी20 सीरीज में भी जगह मिलती है या नहीं सुंदर के चोटिल होने के साथ ही विश्वकप से पहले टीम को दूसरा झटका लगा है। इससे पहले तिलक वर्मा भी चोटिल होकर सीरीज से बाहर हो गए थे। भारत और न्यूजीलैंड के बीच पहला टी20 मैच 21 जनवरी को नागपुर में खेला जाएगा। इसके बाद 23 जनवरी को रायपुर में दूसरा टी20 मैच आयोजित होगा। तीसरा मैच 25 जनवरी को गुवाहाटी जबकि 28 जनवरी को चौथा मैच विशाखापत्तनम में खेला जाएगा। सीरीज का अंतिम मैच 31 जनवरी को तिरुवनंतपुरम में खेला जाएगा।

यूपी वॉरियर्ज़ की पहली जीत के बाद बोलीं हरलीन देओल- "मैंने सिर्फ टीम के लिए योगदान देने पर ध्यान दिया"

एजेंसी, मुंबई

यूपी वॉरियर्ज़ ने गुरुवार रात महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) 2026 में अपनी पहली जीत दर्ज करते हुए मुंबई इंडियंस को 11 गेंद शेष रहते हराया। इस मुकाबले में पहले गेंदबाज़ों के अनुशासित प्रदर्शन ने जीत की नींव रखी, जिन्होंने मुंबई इंडियंस को 20 ओवर में 5 विकेट पर 161 रन तक सीमित कर दिया। लक्ष्य का पीछा करते हुए यूपी वॉरियर्ज़ की जीत की सबसे बड़ी नायिका हरलीन देओल रहीं। उन्होंने 39 गेंदों में 64 रनों की संयमित और प्रभावशाली पारी खेली। हरलीन ने बेहतरीन टाइमिंग और संतुलन के साथ खासकर ऑफ साइड में आकर्षक शॉट लगाए और टीम को लक्ष्य तक पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई। मैच के बाद हरलीन देओल ने कहा, "पहली जीत मिलना बहुत अच्छा लग रहा है और मैं टीम के लिए खुश हूं। पिछले मैच में भी मुझे लगा था कि मैं अच्छी बल्लेबाज़ी कर रही हूं, इसलिए तैयारी में ज्यादा कुछ बदलने की जरूरत नहीं थी। कभी-कभी उसी दिन सब कुछ सही हो जाता है और कुछ गेंदें बाउंड्री के लिए चली जाती हैं। पहली पारी में विकेट थोड़ा मुश्किल था, लेकिन बाद में बल्लेबाज़ी आसान हो गई। मैंने बस यही सोचा कि टीम के लिए सबसे बेहतर तरीके से योगदान दूं।" हरलीन देओल की बल्लेबाज़ी और विकास पर बात करते हुए मुख्य कोच अभिषेक नायर ने कहा, "हरलीन के लिए हमेशा टीम पहले और खुद बाद में रहा है, और यही सोच इस टीम में भी झलकती है। मैं हमेशा उसे एक टच प्लेयर के साथ-साथ पावर हिटर के रूप में भी देखने के लिए प्रेरित करता हूं, क्योंकि हमारा उद्देश्य भारतीय खिलाड़ियों को अगले स्तर तक ले जाना है। वह इस सीजन में हरमनप्रीत कौर के बाद अर्धशतक लगाने वाली दूसरी भारतीय बल्लेबाज़ बनी हैं, और यही हम देखना चाहते थे।" ड्रेसिंग रूम के माहौल पर अभिषेक नायर ने कहा, "हमारी टीम की संस्कृति जीत या हार से नहीं बदलती। कुछ मुकाबलों में हमें मुश्किलों का सामना करना पड़ा है, लेकिन क्रांति गौड़ और फोएबे लिचफील्ड जैसी खिलाड़ी ड्रेसिंग रूम में ऊर्जा बनाए रखती हैं। नतीजों से इतर सकारात्मक माहौल बहुत जरूरी होता है।" नेतृत्व की अहमियत पर जोर देते हुए मुख्य कोच ने आगे कहा, "टी20 क्रिकेट में मजबूत नेतृत्व बेहद जरूरी होता है और मेग लैनिंग इस मामले में शानदार रही हैं। वह हर पहलू में सक्रिय रहती हैं, टीम की ताकत और कमजोरियों को बारीकी से समझती हैं। जैसे-जैसे टूर्नामेंट आगे बढ़ेगा, उनके नेतृत्व का असर और साफ दिखाई देगा। वह इस टीम की असली बॉस हैं।"

आईसीसी टेस्ट बल्लेबाजी रैंकिंग में रूट पहले नंबर पर बरकरार

» शीर्ष पांच में एक भी भारतीय नहीं

एजेंसी, लंदन

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की ताजा टेस्ट बल्लेबाजी रैंकिंग में इंग्लैंड के अनुभवी बल्लेबाज जो रुट नंबर एक पर बने हुए है। वहीं ऑस्ट्रेलिया के ट्रेविस हैड एशेज सीरीज में अच्छे प्रदर्शन के कारण एक स्थान के लाभ के साथ ही तीसरे नंबर पर पहुंच गये हैं। शीर्ष पांच में एक भी भारतीय खिलाड़ी को जगह नहीं मिली है। रूट 880 की रेटिंग के साथ ही विश्व के नंबर एक टेस्ट बल्लेबाज बने हुए हैं। एशेज सीरीज में दो शतक लगाने से नंबर एक स्थान पर रूट की जगह और पक्की हो गयी है। वहीं इंग्लैंड के ही हैरी ब्रूक 857 रेटिंग अंक लेकर दूसरे नंबर पर बने हुए काबिज हैं। वहीं हेड ने पिछले टेस्ट मैच में लगाए गए शतक से एक स्थान के लाभ के साथ ही 853 रेटिंग अंक के साथ ही तीसरा स्थान हासिल किया है। वहीं ऑस्ट्रेलिया के अनुभवी बल्लेबाज स्टीव स्मिथ भी एक स्थान के लाभ के साथ ही 831 रेटिंग अंक लेकर चौथे स्थान पर आ गये हैं।

दूसरी ओर न्यूजीलैंड के स्टार बल्लेबाज केन विलियमसन दो स्थानों के लाभ के साथ ही अब 822 रेटिंग के साथ ही पांचवें स्थान पर फिसल गए हैं।

आईसीसी टेस्ट रैंकिंगः टॉप-5 बल्लेबाज

1 जो रूट (इंग्लैंड) 880 रेटिंग अंक

2 हैरी ब्रूक (इंग्लैंड) 857 रेटिंग अंक

3 ट्रेविस हेड (ऑस्ट्रेलिया) 853 रेटिंग अंक

4 स्टीव स्मिथ (ऑस्ट्रेलिया) 831 रेटिंग अंक

5. केन विलियमसन (न्यूजीलैंड) 822 रेटिंग अंक

नेपाल ने टी-20 विश्व कप के लिए पूर्व ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर इयान हार्वी को बनाया गेंदबाजी सलाहकार

एजेंसी, काठमांडू

नेपाल क्रिकेट संघ ने 2026 के टी-20 विश्व कप की तैयारियों के लिए ऑस्ट्रेलिया के पूर्व तेज गेंदबाज इयान हार्वी को पुरुष टीम का गेंदबाजी सलाहकार नियुक्त किया है। यह टूर्नामेंट भारत और श्रीलंका की मेजबानी में खेला जाएगा। अपनी गेंदबाजी में विविधता और गति में बदलाव के लिए मशहूर 53 वर्षीय इयान हार्वी नेपाल की कोचिंग टीम में शामिल होंगे। वह वर्तमान मुख्य कोच स्टुअर्ट लॉ के नेतृत्व में काम करेंगे। इयान हार्वी का अंतरराष्ट्रीय और घरेलू क्रिकेट में लंबा अनुभव रहा है। उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के लिए 73 एकदिवसीय मैच खेले, जिसमें 85 विकेट लिए और 715 रन बनाए। वह 2003 में दक्षिण अफ्रीका में खेले गए आईसीसी वनडे विश्व कप जीतने वाली ऑस्ट्रेलियाई टीम का भी हिस्सा रहे थे। खेल से संन्यास लेने के बाद हार्वी ने कोचिंग में भी अपनी पहचान बनाई और इंग्लिश काउंटी क्लब ग्लूस्टरशायर के कोच के रूप में सेवाएं दीं। नेपाल की टीम 2026 टी-20 विश्व कप में अपने अभियान की शुरुआत 8 फरवरी को इंग्लैंड के खिलाफ करेगी। यह मुकाबला मुंबई के ऐतिहासिक वानखेड़े स्टेडियम में खेला जाएगा।

वीमेंस हंड्रेडः स्मृति मंधाना मैनचेस्टर सुपर जायंट्स से जुड़ीं, आगामी सीजन में आएंगी नजर

एजेंसी, नई दिल्ली

भारतीय महिला क्रिकेट टीम की स्टार ओपनर बल्लेबाज स्मृति मंधाना को आगामी वीमेंस हंड्रेड टूर्नामेंट के लिए मैनचेस्टर सुपर जायंट्स ने साइन कर लिया है। फ्रेंचाइजी ने गुरुवार को इस बड़े करार की आधिकारिक घोषणा की। मंधाना के टीम से जुड़ने से मैनचेस्टर सुपर जायंट्स की बल्लेबाजी को मजबूती मिलने की उम्मीद है। स्मृति मंधाना इससे पहले 2021 से 2024 तक हंड्रेड लीग के चार सीजन खेल चुकी हैं। इस दौरान उन्होंने साउदर्न ब्रेव की ओर से 29 पारियों में 676 रन बनाए। अपनी आक्रामक लेकिन आकर्षक बल्लेबाजी के लिए पहचानी जाने वाली मंधाना लीग की सबसे सफल विदेशी खिलाड़ियों में शामिल रही हैं। अब तक वीमेंस हंड्रेड में कुल छह भारतीय खिलाड़ी हिस्सा ले चुकी हैं। इस सूची में भारतीय कप्तान हरमनप्रीत कौर, अनुभवी ऑलराउंडर दीप्ति शर्मा, विस्फोटक ओपनर शेफाली वर्मा, आक्रामक विकेटकीपर-बल्लेबाज ऋचा घोष और मध्यक्रम की भरोसेमंद बल्लेबाज जेमिमा रोड्रिग्स शामिल हैं। स्मृति मंधाना भी इस प्रतिष्ठित सूची का अहम हिस्सा रही हैं। मैनचेस्टर सुपर जायंट्स ने स्मृति मंधाना के अलावा ऑस्ट्रेलिया की पूर्व कप्तान मेग लैनिंग को भी अपनी टीम में शामिल किया है। मेग लैनिंग इससे पहले लंदन स्पिरिट और ओवल इनविंसिबल्स का प्रतिनिधित्व कर चुकी हैं। हंड्रेड टूर्नामेंट में खेले गए 18 मुकाबलों में लैनिंग ने 132.08 की स्ट्राइक रेट से 457 रन बनाए हैं। इन दोनों दिग्गज बल्लेबाजों के टीम में शामिल होने से मैनचेस्टर सुपर जायंट्स को आगामी वीमेंस हंड्रेड सीजन में खिताब का प्रबल दावेदार माना जा रहा है।

व्यापार

शुरुआती कारोबार में शेयर बाजार में तेजी, सेंसेक्स और निफ्टी उछले

नई दिल्ली। घरेलू शेयर बाजार में आज शुरुआती कारोबार के दौरान मजबूती का रुख नजर आ रहा है। आज के कारोबार की शुरुआत भी बढ़त के साथ हुई थी। हालांकि पहले आधे घंटे के कारोबार में बाजार में लगातार उतार चढ़ाव होता रहा, लेकिन इसके बाद खरीदारों ने लिवाली का जोर बना दिया। लिवाली के सपोर्ट से सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांकों की चाल में तेजी आ गई। पहले 1 घंटे का कारोबार होने के बाद सेंसेक्स 0.59 प्रतिशत और निफ्टी 0.54 प्रतिशत की मजबूती के साथ कारोबार कर रहे थे। शुरुआती पहले घंटे का कारोबार होने के बाद स्टॉक मार्केट के दिग्गज शेयरों में से इंफोसिस, विप्रो, श्रीराम फाइनेंस, टेक महिंद्रा और महिंद्रा एंड महिंद्रा के शेयर 4.77 प्रतिशत से लेकर 1.21 प्रतिशत की मजबूती के साथ कारोबार कर रहे थे। दूसरी ओर, सिप्ला, एटरनल, एचडीएफसी लाइफ, सन फार्मास्युटिकल्स और ओएनजीसी के शेयर 3.23 प्रतिशत से लेकर 1.43 प्रतिशत की कमजोरी के साथ कारोबार करते हुए नजर आ रहे थे। अभी तक के कारोबार में स्टॉक मार्केट में 2,654 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हो रही थी। इनमें से 1,582 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में कारोबार कर रहे थे, जबकि 1,072 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में कारोबार कर रहे थे। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 20 शेयर लिवाली के सपोर्ट से हरे निशान में बने हुए थे। दूसरी ओर 10 शेयर बिकवाली के दबाव में लाल निशान में कारोबार कर रहे थे। जबकि निफ्टी में

शामिल 50 शेयरों में से 28 शेयर हरे निशान में और 22 शेयर लाल निशान में कारोबार करते नजर आ रहे थे। बीएसई का सेंसेक्स आज 288.08 अंक की मजबूती के साथ 83,670.79 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरुआत होने के बाद कुछ देर तक बाजार में लिवालों और बिकवालों के बीच खींचतान चलती रही, जिसकी वजह से इस सूचकांक की चाल में भी उतार चढ़ाव होता रहा। पहले आधे घंटे के कारोबार के बाद खरीदारों ने लिवाली का जोर बना दिया, जिससे इस सूचकांक की चाल में तेजी आ गई। बाजार में लगातार जारी खरीद बिक्री के बीच पहले 1 घंटे का कारोबार होने के बाद सुबह 10:15 बजे सेंसेक्स 491.59 अंक की बढ़त के साथ 83,874.30 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा था। सेंसेक्स की तरह ही एनएसई के निफ्टी ने आज 30.45 अंक उछल कर 25,696.05 अंक के स्तर से कारोबार की शुरुआत की। शुरुआती आधे घंटे के कारोबार में इस सूचकांक की चाल भी ऊपर नीचे होती रही, लेकिन इसके बाद खरीदारों ने लिवाली का जोर बना दिया। लगातार हो रही लिवाली के सपोर्ट से इस सूचकांक ने भी रफ्तार पकड़ ली। बाजार में लगातार जारी लिवाली और बिकवाली के बीच शुरुआती 1 घंटे का कारोबार होने के बाद सुबह 10:15 बजे निफ्टी 138.30 अंक की मजबूती के साथ 25,803.90 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा था। इसके पहले पिछले कारोबारी दिन बुधवार को सेंसेक्स 244.98 अंक यानी 0.29 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 83,382.71 अंक के स्तर पर बंद हुआ था।

डाक से भेजे जाने वाले माल पर 15 जनवरी से निर्यात प्रोत्साहन योजनाएं लागूः सीबीआईसी

नई दिल्ली। केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर एवं सीमा शुल्क बोर्ड (सीबीआईसी) ने भारत के ई-कॉमर्स सेक्टर को मजबूत बनाने के लिए बड़ा पॉलिसी बदलाव किया है। सीबीआईसी ने कहा कि आरओडीटीईपी और आरओएससीटीएल जैसी निर्यात प्रोत्साहन योजनाएं अब डाक के जरिए भेजे जाने वाले माल पर भी लागू होंगी। वित्त मंत्रालय ने शुक्रवार को जारी बयान में बताया कि इसके तहत पोस्टल रूट से भेजे जाने वाले सामानों पर भी जरूरी निर्यात प्रोत्साहन दिए जाएंगे। 15 जनवरी, 2026 से लागू होने वाला यह कदम छोटे एक्सपोर्टर्स को ग्लोबल ट्रेड नेटवर्क में शामिल करने के लिए डिजाइन किया गया है। इन प्रोत्साहनों से सूक्ष्म, लघु एवं मंझोले उद्यम (एमएसएमई) निर्यातकों विशेष रूप से छोटे शहरों और दूरदराज के क्षेत्रों के निर्यातकों की प्रतिस्पर्धा में उल्लेखनीय वृद्धि होने की उम्मीद है और डाक निर्यात को काफी

बढ़ावा मिलेगा। मंत्रालय ने कहा, ''सीबीआईसी ने 'ड्यूटी ड्रॉबैक', निर्यातित उत्पादों पर शुल्क एवं करों की छूट (आरओडीटीईपी) और राज्य एवं केंद्रीय करों तथा शुल्क की छूट (आरओएससीटीएल) योजनाओं के तहत निर्यात से संबंधित लाभों को 15 जनवरी से डाक के जरिए इलेक्ट्रॉनिक रूप में किए गए निर्यातों तक विस्तारित कर दिया है।'' 'ड्यूटी ड्रॉबैक' निर्यात को बढ़ावा देने वाली एक महत्वपूर्ण वित्तीय सहायता है। वित्त मंत्रालय के मुताबिक इसके तहत निर्यात किए गए माल के निर्माण या उत्पादन में उपयोग किए गए कच्चे माल पर चुकाए गए सीमा शुल्क और उत्पाद शुल्क (या उनके समकक्ष कर) का पूरा या आंशिक 'रिफंड' निर्यातक को दिया जाता है। मंत्रालय ने बताया कि इस उपाय का उद्देश्य डाक माध्यमों का उपयोग करने वाले निर्यातकों के लिए समान अवसर प्रदान करना एवं सीमा पार ई-कॉमर्स के विकास के लिए एक अनुकूल तथा समावेशी परिवेश बनाना है। सीबीआईसी ने इन लाभों को क्रियान्वित करने के लिए डाक निर्यात (इलेक्ट्रॉनिक घोषणा और प्रसंस्करण) विनियम, 2022 में संशोधन को मंजूरी दे दी है। इससे निर्यातकों को डाक मार्ग से निर्यात किए गए माल के लिए 'ड्यूटी ड्रॉबैक', आरओडीटीईपी और आरओएससीटीएल लाभों का दावा करने में सक्षम बनाया जा सके। भारत में वर्तमान में सीमा शुल्क अधिनियम, 1962 की धारा-7 के तहत अधिसूचित 28 विदेशी डाकघर (एफपीओ) हैं। सीबीआईसी ने डाक और 'कूरियर' माध्यमों से सीमा पार व्यापार को मजबूत करने के लिए कई उपाय किए हैं।

भारत-ईयू एफटीए पर 27 जनवरी को बड़ा ऐलान संभव

नई दिल्ली। भारत और यूरोपीय संघ (ईयू) के बीच मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) पर बातचीत के निष्कर्ष की घोषणा 27 जनवरी को हो सकती है। यह घोषणा ईयू के शीर्ष नेतृत्व की भारत यात्रा (25–27 जनवरी) के दौरान, 16वें भारत-ईयू शिखर सम्मेलन में होने की संभावना है। हालांकि अंतिम समझौते पर तत्काल हस्ताक्षर की संभावना कम है, लेकिन समझौते की रूपरेखा तय होने की उम्मीद है। यूरोपीय परिषद के अध्यक्ष एंटोनियो लुइस सैंटोस दा कोस्टा और यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ सह-अध्यक्षता करेंगे। दोनों नेता इस वर्ष के गणतंत्र दिवस परेड के मुख्य अतिथि भी होंगे। पिछले तीन महीनों में वार्ता के "अंतिम और सबसे कठिन" चरण में रही। कुल 24

मुद्दों में से 20 पर सहमति बन चुकी है, जबकि कुछ महत्वपूर्ण मुद्दों पर अभी भी चर्चा चल रही है। वाणिज्य सचिव राजेश अग्रवाल के अनुसार, नेता बैठक से पहले प्रयास जारी हैं। अंतिम पैकेज में कृषि शामिल नहीं होगी। यूरोपीय आयोग ने स्पष्ट किया कि कृषि को समझौते से बाहर रखा गया है। ब्रसेल्स ने यूरोपीय वाइन और शराब पर 150% शुल्क कम करने पर भारत के साथ सहमति बनाई है। कठिन बिंदुओं में इस्पात आयात पर ईयू नीतियां और भारत के लिए कार्बन बॉर्डर एडजस्टमेंट मैकेनिज्म शामिल हैं।

सर्राफा बाजार में सोने की रफ्तार पर आज लगा ब्रेक, चांदी ने लगातार चौथे दिन बनाया मजबूती का नया रिकॉर्ड

नई दिल्ली। घरेलू सर्राफा बाजार में सोने की तेजी पर आज ब्रेक लगता हुआ नजर आ रहा है। दूसरी ओर, चांदी आज एक बार फिर मजबूती के साथ कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। चांदी ने आज लगातार चौथे दिन ऑल टाइम हाई का नया रिकॉर्ड कायम कर दिया है। सोना आज 370 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 400 रुपये प्रति 10 ग्राम तक सस्ता हो गया है। इसके विपरीत चांदी ने भी आज दिल्ली सर्राफा बाजार में 5 हजार रुपये प्रति किलोग्राम की छलांग लगाई है। कीमत में आज आए इस उछाल के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना 1,43,610 रुपये से लेकर 1,43,760 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना आज 1,31,640 रुपये से लेकर 1,31,790 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। दूसरी ओर, चांदी की कीमत में भी तेजी आने के कारण दिल्ली सर्राफा बाजार में आज ये चमकीली धातु 2,95,100 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है। दिल्ली में आज 24 कैरेट सोना 1,43,760 प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,31,790 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,43,610 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,31,640 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,43,660 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,31,690 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 1,43,610 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 1,31,640 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में 24 कैरेट सोना 1,43,610 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,31,640 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। भोपाल में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,43,660 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,31,690 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,43,760 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 1,31,790 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24

कैरेट सोने की कीमत 1,43,660 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,31,690 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। जयपुर में 24 कैरेट सोना 1,43,760 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,31,790 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी आज सोने के भाव में गिरावट आई है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना 1,43,610 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह इन तीनों शहरों के सर्राफा बाजारों में 22 कैरेट सोना 1,31,640 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

एप्पल पर भारत में एंटी-ट्रस्ट मामले में लग सकता है भारी जुर्माना

मुंबई। आईफोन बनाने वाली अमेरिकी कंपनी एप्पल को भारत में प्रतिस्पर्धा-विरोधी आचरण के आरोपों के चलते गंभीर मुश्किलों का सामना करना पड़ सकता है। भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग (सीसीआई) ने एप्पल को अंतिम चेतावनी दी है। आयोग का आरोप है कि कंपनी पिछले एक साल से अधिक समय से आवश्यक जानकारी और जवाब देने में सहयोग नहीं कर रही है। यदि सीसीआई एप्पल के ग्लोबल टर्नओवर के आधार पर जुर्माना तय करता है, तो कंपनी पर करीब 38 अरब डॉलर (लगभग 34.33 लाख करोड़ रुपए) का भारी जुर्माना लग सकता है। यह जुर्माना भारतीय प्रतिस्पर्धा कानून के तहत सबसे बड़े मामलों में से एक माना जा सकता है। एप्पल ने इन आरोपों का खंडन किया है और कहा है कि वह किसी भी तरह का दुरुपयोग नहीं कर रही।

मामला फिलहाल दिल्ली हाई कोर्ट में विचाराधीन है। कोर्ट में एप्पल ने पूरी जांच पर रोक लगाने की कोशिश की थी, लेकिन सीसीआई ने इसकी मांग खारिज कर दी। 2024 में जांच एजेंसियों ने रिपोर्ट जारी की थी, जिसमें एप्पल पर आईओएस ऐप बाजार में अपनी मजबूत स्थिति का दुरुपयोग करने और प्रतिस्पर्धा-विरोधी आचरण करने का आरोप लगाया गया था। सीसीआई ने अक्टूबर 2024 में एप्पल से जांच के निष्कर्षों पर आपत्तियां दर्ज करने और वित्तीय जानकारी देने को कहा था, लेकिन कंपनी ने आवश्यक विवरण प्रदान नहीं किया।

संदीप वांगा ने दिल दिया का बोल्ड फर्स्ट लुक जारी किया

स्पिरिट के निर्देशक संदीप रेड्डी वांगा ने के. क्रांति माधव की फिल्म दिल दिया - अ नेकेड ट्रुथ का टाइटल और फर्स्ट-लुक पोस्टर लॉन्च किया, दिल दिया – अ नेकेड ट्रुथ फिल्म के टाइटल और फर्स्ट-लुक पोस्टर के रिलीज के साथ ही यह फिल्म सुर्खियों में आ गई है। यह आगामी फिल्म के लिए पहला सार्वजनिक कदम है। स्पिरिट के निर्देशक संदीप रेड्डी वांगा द्वारा जारी किए गए इस पोस्टर ने फिल्म जगत में शुरुआती दिलचस्पी जगा दी है और फिल्म के रिलीज के लिए मंच तैयार कर दिया है। श्रीयस चित्रा – पूर्णा नायडू प्रोडक्शन बैनर के तहत पूर्णा नायडू द्वारा निर्मित और के. क्रांति माधव द्वारा लिखित और निर्देशित यह फिल्म भावनात्मक संघर्ष और व्यक्तिगत संबंधों पर आधारित एक समकालीन ड्रामा है। के. क्रांति माधव की फिल्म दिल दिया - अ नेकेड ट्रुथ उनकी उस शैली को आगे बढ़ाती है जो भावनात्मक संवेदनशीलता और संयमित कथा शैली से परिपूर्ण है। वर्षों से, उन्होंने सतही नाटक के बजाय मानवीय कमजोरियों को गहराई से छूने वाली कहानियों के लिए ख्याति अर्जित की है। ओनामालू, मल्ली मल्ली इदि रानी रोजू और वर्ल्ड फेमस लवर जैसी फिल्मों में प्रेम, नैतिक दुविधाओं, भावनात्मक टूटन और आंतरिक संघर्ष में उनकी रुचि झलकती है। दिल दिया - अ नेकेड ट्रुथ के साथ, वे इसी तरह के भावनात्मक क्षेत्र में लौटते हैं, इस बार जुनून, असफलता, अंतरंगता और आत्मसम्मान से प्रेरित एक अधिक प्रत्यक्ष और समकालीन दृष्टिकोण से। फिल्म में चैतन्य राव मदादी, इरा, सखी और जेस्सी मुख्य भूमिकाओं में हैं, जबकि मणि चंदना, प्रमोदिनी और वीरा शंकर ने सहायक भूमिकाओं में उनका साथ दिया है। कलाकारों का चयन फिल्म के यथार्थवादी कथानक को दर्शाता है, जिसमें स्वाभाविक और जीवंत अभिनय को प्राथमिकता दी गई है। नाटकीयता पर ज़ोर देने के बजाय, कहानी कहने का तरीका पात्रों के आपसी संवाद और परिणामों के माध्यम से भावनाओं को स्वाभाविक रूप से उभरने देता है। फिल्म का पहला पोस्टर संयमित लेकिन प्रभावशाली ढंग से फिल्म की भावनात्मक दुनिया की झलक पेश करता है। सरल डिजाइन और दिखावे से मुक्त यह पोस्टर संवेदनशीलता, विरोधाभास और आंतरिक उथल-पुथल का संकेत देता है। पोस्टर फिल्म के मुख्य विषयों को स्पष्ट रूप से बताने के बजाय, व्यक्तिगत सच्चाई से प्रेरित एक अंतर्मुखी कहानी का सुझाव देता है। यह दृश्य शैली क्रांति माधव की फिल्म निर्माण शैली से पूरी तरह मेल खाती है, जहां भावनात्मक स्पष्टता और ईमानदारी को दिखावटी तमाशे से अधिक महत्व दिया जाता है। पूर्णा नायडू द्वारा निर्मित और श्रीकांत वी के सह-निर्माता के रूप में, दिल दिया - अ नेकेड ट्रुथ को एक मजबूत और अनुभवी तकनीकी टीम का समर्थन प्राप्त है। पीजी विंदा ने छायांकन किया है, जिससे एक अंतरंग लेकिन सिनेमाई दृश्य अनुभव प्राप्त होने की उम्मीद है। संगीत फानी कल्याण ने तैयार किया है, जबकि संपादन रा-शा (रवि - शशांक) ने किया है। चिन्ना ने प्रोडक्शन डिज़ाइन का निरीक्षण किया है, धानी ऐले ने प्रचार डिज़ाइन संभाला है, स्टार सर्कल ने डिजिटल मार्केटिंग का प्रबंधन किया है, और प्रचार का नेतृत्व एसके नायडू और फानी कंडुकुरी (बियॉन्ड मीडिया) ने किया है। भावनात्मक गहराई से सजी एक युवा प्रेम कहानी के रूप में प्रस्तुत, दिल दिया - अ नेकेड ट्रुथ आधुनिक रिश्तों का एक ईमानदार और बेबाक चित्रण पेश करने का लक्ष्य रखती है। आदर्शवादी रोमांस से परे जाकर, यह फिल्म भावनात्मक जटिलता और व्यक्तिगत परिणामों से सीधे तौर पर जुड़ती है, और समकालीन तेलुगु सिनेमा में अंतरंगता की नई परिभाषा तलाशने का प्रयास करती है।निर्देशक के स्पष्ट दृष्टिकोण, मजबूत रचनात्मक समर्थन और शीर्षक एवं फर्स्ट-लुक के अनावरण के बाद मिली शुरुआती गति के साथ, दिल दिया - ए नेकेड ट्रुथ को एक नए बॉक्स-ऑफिस पैटर्न के रूप में स्थापित किया जा रहा है, जो 2026 की गर्मियों में सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए तैयार है।

विधु, प्रीति असरानी अभिनीत रत्ना कुमार की रोमांटिक कॉमेडी का शीर्षक 29 है

टाइटल टीज़र और पहला लुक जारी

स्टोन बेंच स्टूडियो और जी स्क्वाड के बीच बहुप्रतीक्षित सहयोग को आधिकारिक तौर पर 29 नाम दिया गया है, जिसका आकर्षक पहला लुक और टाइटल टीज़र आज जारी किया गया है। रत्ना कुमार द्वारा लिखित और निर्देशित फिल्म 29 उनकी सिग्नेचर शैली में वापसी का प्रतीक है, जिसमें यथार्थवाद, दिल को छू लेने वाली भावनाएं और सच्ची संवेदनाओं का मिश्रण उनकी अनूठी कहानी कहने की शैली में पिरोया गया है। मेयाधा मान, आदई और गुलू गुलू जैसी प्रशंसित फिल्मों के बाद, रत्ना की अगली फिल्म मानवीय संबंधों पर आधारित एक दिलचस्प कहानी होने का वादा करती है, जो एक गहन भावनात्मक और ताजगी भरी रोमांटिक कहानी के माध्यम से प्रेम की कोमलता को दर्शाती है। इस फिल्म में विधु और प्रीति असरानी मुख्य भूमिकाओं में हैं और पहली बार एक साथ स्क्रीन पर नज़र आ रहे हैं। उनकी नई केमिस्ट्री और किरदारों के बीच का गहरा तालमेल 29 के प्रमुख आकर्षणों में से एक होने की उम्मीद है। बहुमुखी प्रतिभा के धनी शॉन रोल्डन द्वारा रचित संगीत के साथ, दर्शक एक भावपूर्ण साउंडट्रैक की उम्मीद कर सकते हैं जो फिल्म के

मिजाज के पूरक है। कार्तिकेयन एस और लोकेश कनगराज द्वारा निर्मित, 29 स्टोन बेंच स्टूडियो और जी स्क्वाड बैनर के तहत एक और महत्वाकांक्षी प्रयास के रूप में सामने आता है, ये दोनों नाम लगातार कंटेंट आधारित सिनेमा का समर्थन करते रहे हैं और तमिल फिल्म निर्माण में विशिष्ट आवाजों को पेश करते रहे हैं। टाइटल टीज़र और फर्स्ट लुक दर्शकों को फिल्म के माहौल की एक झलक देते हैं, जिससे प्रशंसक यह जानने के लिए उत्सुक हो जाते हैं कि 29 वास्तव में क्या दर्शाता है। एक दमदार रचनात्मक टीम और एक दिलचस्प कथानक के साथ, 29 2026 में देखने लायक सबसे रोमांचक तमिल फिल्मों में से एक बनने के लिए तैयार है।

विजय सेतुपति, अरविंद स्वामी, अदिति राव हैदरी प्रतिष्ठित फिल्म गांधी वार्ता 30 जनवरी को रिलीज़ होगी

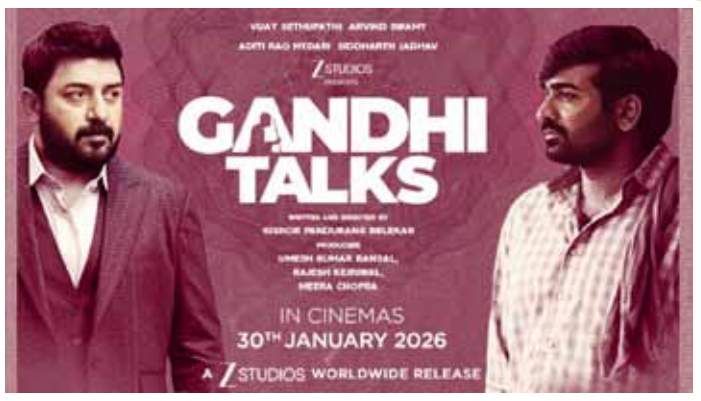

ज़ी स्टूडियोज़ ने अपनी सबसे महत्वाकांक्षी और अपरंपरागत फिल्म गांधी टॉक्स की रिलीज़ तिथि की घोषणा कर दी है, जो 30 जनवरी 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज़ होगी। आधुनिक भारतीय सिनेमा की यह दुर्लभ मूक फिल्म एक साहसिक रचनात्मक छलांग है, जहाँ मौन कहानी कहने का सबसे सशक्त माध्यम बन जाता है। ऐसे समय में जब सिनेमा को अक्सर भव्यता और ध्वनि से परिभाषित किया जाता है, गांधी टॉक्स अपने संदेश को संप्रेषित करने के लिए संयम, भावना और स्थिरता का चुनाव करती है। यह फिल्म विजय सेतुपति, अरविंद स्वामी, अदिति राव हैदरी और सिद्धार्थ जाधव जैसे असाधारण कलाकारों को एक साथ लाती है, जिन्होंने जानबूझकर कहानी कहने के एक ऐसे रूप को अपनाया है जो पूरी तरह से प्रदर्शन और अभिव्यक्ति पर निर्भर करता है। विजय सेतुपति और अरविंद स्वामी जैसे अभिनेताओं के लिए, एक मूक फिल्म में मुख्य भूमिका निभाने का निर्णय शिल्प-आधारित सिनेमा में उनके अटूट विश्वास को दर्शाता है। अदिति राव हैदरी और सिद्धार्थ जाधव संवाद के बिना भेद्यता और भावनाओं को अपनाते हुए, सूक्ष्म, अभिव्यक्ति-प्रधान प्रदर्शनों के साथ कथा को और समृद्ध करते हैं. एआर रहमान का संगीत गांधी टॉक्स की भावनात्मक आवाज़ बन जाता है, जो कथावाचक की भूमिका निभाते हुए दर्शकों को फिल्म के भावपूर्ण परिदृश्य से रूबरू कराता है। उनका संगीत मौन को एक शक्तिशाली, गहन अनुभव में बदल देता है, जिससे फिल्म वैश्विक स्तर पर प्रदर्शित होने योग्य बन जाती है। निर्देशक किशोर बेलेकर ने कहा, गांधी टॉक्स मौन पर भरोसा करने वाली फिल्म है। भारतीय सिनेमा कहानी कहने के एक सदी से अधिक का सफर तय कर रहा है, ऐसे में हम इस माध्यम के सबसे मौलिक रूप - शुद्ध प्रदर्शन और भावना - की ओर लौटना चाहते थे। गांधी वार्ता एक ऐसी हास्य फिल्म है जो महात्मा गांधी के विचारों और आज के समाज की वास्तविकताओं के बीच के अंतर को दर्शाती है। कहानी एक ऐसे युवक के इर्द-गिर्द घूमती है जो पैसों की तंगी से जूझ रहा है और कैसे उसका जीवन एक चोर के जीवन से जुड़ जाता है। फिल्म में मूल्यों, लालच और समाज जैसे मुद्दों पर चर्चा होने की उम्मीद है। गांधी टॉक्स के साथ, ज़ी स्टूडियोज़ उन उत्कृष्ट और प्रतिष्ठित फिल्मों को समर्थन देने की अपनी प्रतिबद्धता को और मजबूत करता है जो सिनेमाई मानदंडों को चुनौती देती हैं और भारतीय सिनेमा की भाषा का विस्तार करती हैं। 30 जनवरी 2026 को रिलीज़ होने वाली गांधी टॉक्स एक ऐसा सिनेमाई अनुभव देने का वादा करती है जो बिना कुछ कहे ही बहुत कुछ कह देती है।

जेटली की एक मजेदार झलक सामने आई

मिश्री मूवी मेकर्स प्रस्तुत करते हैं - सत्य , रितेश राणा और क्लैप एंटरटेनमेंट की जेटली की हास्य से भरपूर एक्शन फिल्म की एक झलक। टॉलीवुड की सबसे अनोखी अभिनेता-निर्देशक जोड़ी, सत्या और रितेश राणा, एक नई मनोरंजक फिल्म जेटली के साथ वापसी कर रहे हैं। क्लैप एंटरटेनमेंट के चिरंजीवी (चेरी) और हेमलता पेद्दामल्लू द्वारा निर्मित और प्रतिष्ठित मैत्री मूवी मेकर्स द्वारा प्रस्तुत इस फिल्म में मिस यूनिवर्स इंडिया रिया सिंघा मुख्य अभिनेत्री के रूप में तेलुगु सिनेमा में कदम रख रही हैं। मुख्य कलाकारों के पहले लुक पोस्टर जारी करने के बाद, निर्माताओं ने आज फिल्म की एक झलक भी दिखाई। इस झलक की शुरुआत सत्य की आवाज़ में वेमाना शतकम से होती है। अचानक तेज़ हवा के झोंके से यात्री घबरा जाते हैं, जिससे आगे आने वाली अफरा-तफरी का माहौल बन जाता है। फिर सत्य को दिखाया जाता है, जो अपनी पहचान पर सवाल उठा रहा होता है, तभी

गोलियों की आवाज़ सुनाई देती है, जो अपहरण की आशंका का संकेत देती है। सत्या का किरदार हास्यपूर्ण ढंग से गढ़ा गया है। उनका रूप-रंग पूरी तरह बदल गया है, और उनकी दमदार उपस्थिति और हास्य-बोध बेमिसाल है। सत्या और वेन्नेला किशोर के बीच की मजेदार बातचीत फिल्म की खूबसूरती को और बढ़ा देती है। जब उनसे उनके हीरो होने के दर्जे के बारे में पूछा गया, तो सत्या ने चतुराई से जवाब दिया कि वे किसी खास वर्ग में नहीं आते - वे तो आम आदमी हैं। इस झलक में मुख्य अभिनेत्री रिया सिंघा, अजय, हर्षा आदि सहित अन्य सभी महत्वपूर्ण पात्रों का भी परिचय दिया गया है। मथु वदलारा की मूल टीम इस फिल्म के रचनात्मक कार्यों को आगे बढ़ाने के लिए लौट आई है। संगीतकार काला भैरव, छायाकार सुरेश सारंगम, संपादक कार्तिका श्रीनिवास और प्रोडक्शन डिजाइनर नार्नी श्रीनिवास एक बार फिर साथ आए हैं, जिससे रितेश राणा को एक और अनोखी, अप्रत्याशित सिनेमाई दुनिया रचने का मौका मिला है। कुल मिलाकर, यह झलक रितेश राणा के हास्य और भरपूर एक्शन के विशिष्ट मिश्रण का वादा करती है।

मलाइका अरोड़ा डेटिंग की खबरों पर बोलीं- लोगों को बातें करना पसंद; इससे कोई फायदा नहीं

बॉलीवुड अभिनेत्री मलाइका अरोड़ा अपनी निजी जिंदगी को लेकर हमेशा लाइमलाइट में रहती हैं। अर्जुन कपूर से ब्रेकअप के बाद उनकी जिंदगी में कौन आया, कौन गया? ऐसे चर्चे सोशल मीडिया पर आम बात हैं। खुद अभिनेत्री का मानना है कि उन्हें किसी भी अनजान शख्स के साथ देखकर लोग उनके रिश्ते को लेकर अटकलें लगाना शुरू कर देते हैं। हालिया बातचीत में मलाइका ने लंबे समय से चल रही डेटिंग की खबरों पर चुप्पी तोड़ी है। हाल ही में, मलाइका ने नम्रता जकारिया शो में शिरकत की और रहस्यमयी व्यक्ति के साथ अपने नए रिश्ते की खबरों को संबोधित किया। अभिनेत्री ने कहा, लोगों को बातें करना पसंद है। अगर आपको किसी के साथ देखा जाता है, आप बाहर जाते हैं और यह एक बड़ा मुद्दा बन जाता है। मैं बेवजह की बातों को हवा नहीं देना चाहती, इससे कोई फायदा नहीं होगा। उन्होंने बताया कि इस तरह के चर्चे होना आम बात हो चुकी है। मलाइका ने कहा, जब भी मैं बाहर निकली हूं, चाहे वो कोई पुराना दोस्त हो, समलैंगिक दोस्त हो, शादीशुदा दोस्त हो, मैनेजर हो या कोई भी हो, मुझे तुरंत उसके साथ जोड़ दिया जाता है। ये सब तो हंसी का पात्र बन गया है। कुछ दिन पहले एक कॉन्सर्ट में मलाइका को रहस्यमयी व्यक्ति संग देखकर उनके नए रिश्ते की खबरों ने जोर पकड़ा था। सोशल मीडिया पर दावा किया गया था कि वो शख्स हीरा व्यापारी हर्ष मेहता है।

राजा साब बॉक्स ऑफिसः 200 करोड़ कमाने के बाद फिर धड़ाम हुई प्रभास की फिल्म, 5वें दिन किया इतना कलेक्शन

प्रभास अभिनीत फिल्म द राजा साब बीती 9 जनवरी सिनेमाघरों में रिलीज हुई. फिल्म के पहले दिन ही विश्व स्तर पर 100 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार करने के बाद ट्रेड एनिलिस्ट ने इसके ब्लॉकबस्टर होने की भविष्यवाणी की थी, लेकिन पांच ही दिनों फिल्म की कमाई गिरती चली गई. मारुति के निर्देशन में बनी इस फिल्म ने गुरुवार को तेलुगु बाजारों से ही 9.15 करोड़ रुपये कमाए. पहले दिन इसकी कमाई में जबरदस्त उछाल आया और फिल्म ने भारत में कुल 53.75 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया. तेलुगु से 47 करोड़ रुपये और हिंदी से 6 करोड़ रुपये का योगदान रहा. तमिल, कन्नड़ और मलयालम में शुरुआत से ही कमाई काफी कम रही. दूसरे दिन से ही कमाई में गिरावट शुरू हो गई. फिल्म ने शनिवार को 26 करोड़ रुपये कमाए, जो शुक्रवार की तुलना में 50 प्रतिशत से अधिक की गिरावट है. तेलुगु में कमाई घटकर 20.65 करोड़ रुपये रह गई, जबकि हिंदी में 5.1 करोड़ रुपये रही. तीसरे दिन, जिससे कमाई में बढ़ोतरी की उम्मीद थी, ऐसा नहीं हुआ. रविवार को कमाई और घटकर 19.1 करोड़ रुपये रह गई, जो 26 प्रतिशत से अधिक की एक और गिरावट है. सोमवार फिल्म के लिए बड़ा झटका साबित हुआ. चौथे दिन, द राजा साब ने भारत में सिर्फ 6.6 करोड़ रुपये की कमाई की. रविवार की तुलना में इसमें 65 प्रतिशत से अधिक की भारी गिरावट दर्ज की गई. तेलुगु फिल्म ने 4.98 करोड़ रुपये और हिंदी फिल्म ने 1.5 करोड़ रुपये का योगदान दिया. अन्य भाषाओं की फिल्मों का कलेक्शन नगण्य रहा. पांचवें दिन भी गिरावट जारी रही. सैकनिल्क के शुरुआती अनुमानों के अनुसार, फिल्म ने मंगलवार को मात्र 4.85 करोड़ रुपये कमाए. प्रभास की किसी फिल्म के लिए यह सबसे कम सप्ताहिक कमाई में से एक है. इसके साथ ही, पांच दिनों के बाद द राजा साब का कुल भारतीय नेट कलेक्शन लगभग 119.45 करोड़ रुपये हो गया है. वर्ल्डवाइड फिल्म ने चार दिनों में लगभग 201 करोड़ रुपये कमाए हैं और धीरे-धीरे आगे बढ़ रही है. लेकिन यह भी काफी नहीं होगा. खबरों के मुताबिक, फिल्म को ब्रेक-ईवन तक पहुंचने और हिट घोषित होने के लिए वर्ल्डवाइड 400 करोड़ रुपये से अधिक की कमाई करनी होगी. मौजूदा रुझान को देखते हुए, फिल्म संभवतः अपने लक्ष्य के आधे से थोड़ा अधिक ही हासिल कर पाएगी. अगर ऐसा होता है, तो द राजा साब कोविड-19 महामारी के बाद प्रभास की दूसरी सबसे कम कमाई करने वाली फिल्म बन जाएगी.

प्यार में धोखे मिलने के बाद रिश्तों को लेकर क्या सोचती हैं रश्मि देसाई? बताए अपने इमोशन

टीवी सीरियल उतरन में तपस्या ठाकुर बनकर फेमस होने वाली रश्मि देसाई अपने नए चैट शो रश्मि दिल से दिल तक को लेकर छाई हुई हैं। अभिनेत्री का शो टीवी स्टार्स के निजी जीवन के बारे में दर्शकों को गहराई से बताएगा, लेकिन असल जिंदगी में खुद इतने सारे धोखे खाने के बाद प्यार और शादी के बारे में रश्मि की राय काफी अलग है। अभिनेत्री का कहना है कि अगर वो किसी के साथ इमोशनली इंवॉल्व होती हैं, तो अपना सब कुछ दे सकती हैं। एक्टर नंदीश संधू से टूटी शादी और कई लड़कों को डेट करने के बाद भी रश्मि देसाई आज भी सही पार्टनर की तलाश में हैं। उन्होंने शोएब इब्राहिम और दीपिका कक्कड़ के रिश्ते को लेकर कहा कि दोनों हमेशा मुस्कुराते रहते हैं लेकिन उन दोनों ने जिंदगी में काफी कुछ झेला है। दोनों ने हर मोड़ पर एक दूसरे का साथ दिया है और यही वजह है कि वे परफेक्ट कपल हैं, जो इमोशनली और प्रैक्टिकली एक दूसरे के साथ हैं। कपल के बीचे के इमोशंस पर बात करते हुए रश्मि देसाई ने कहा कि मैं बहुत प्रैक्टिकल इंसान हूं और मुझे क्रैक कर पाना बहुत मुश्किल है। अगर मैं किसी के साथ इमोशनल पार्ट पर जुड़ी तो उसे अपना दिल, जायदाद, घर और पैसा सब कुछ दे दूंगी क्योंकि मेरे लिए इंसान मैटर करता है, लेकिन अब इतने धोखे खाने के बाद मैंने किसी को अपनी तरफ आने की इजाजत नहीं दी है, लेकिन कहते हैं कि भगवान कोई न कोई रास्ता दिखा ही देता है। इस शो के दौरान मैंने समझा है कि रिश्ता दो लोगों के बीच का होता है, सबका नहीं होता है। रश्मि देसाई ने कहा कि उन्होंने ये भी सीखा कि काम और पर्सनल लाइफ को हमेशा अलग रखना चाहिए। अब मैंने अपने इमोशन को काम में शिफ्ट कर दिया है और मुझे काम करना बहुत पसंद है और ये मुझे हील करने का काम करता है और मेरा हैप्पी प्लेस है। उतरन में काम करने के दौरान ही रश्मि की मुलाकात एक्टर नंदीश संधू से हुई थी। कुछ साल डेट करने के बाद दोनों ने शादी करने का फैसला कर लिया। दोनों की शादी ज्यादा समय तक टिक नहीं पाई और दोनों ने अपने रास्ते अलग कर लिए। इसके बाद उनका नाम अरहान खान और दिवंगत एक्टर सिद्धार्थ शुक्ला के साथ भी जोड़ा गया, लेकिन सिद्धार्थ शुक्ला के साथ अपने रिश्ते पर रश्मि ने कभी खुलकर बात नहीं की, लेकिन दोनों के मतभेद जगजाहिर थे।

Padmashree Anuj Sharma dominated the evening of the first day of the Tatapani Festival

the crowd was mesmerized by his brilliant presentation of Chhattisgarhi songs

Balrampur, Agency: The evening of the first day of the three-day Tatapani Festival was completely immersed in the colors of Chhattisgarhi folk culture at the Tatapani campus. The lively stage performance of "Mor Chhaiyan Bhuiyan" superstar, Padmashree awardee and MLA from Dharsiwan Assembly, Anuj Sharma, immersed the audience in an ocean of emotions and enthusiasm. On

the first day of the three-day festival held at Tatapani, on the evening of January 15, in the cultural program, the popular artist of Chhattisgarhi cinema and folk music, Padmashree Anuj Sharma, enthralled the stage with his powerful and soulful presentation, making the entire campus reverberate with applause and folk tunes.

Anuj Sharma performed several popular Chhattisgarhi songs from the stage, including "Hamar Para Tuhar Para" and "Mor Chhaiyan Bhuiyan." The audience swayed to every line of his songs, and the crowd in the pandal cheered the artist with rapturous applause. This evening's cultural event became a living symbol of Chhattisgarhi folk spirit, tradition, and cultural soul.

During his performance, Anuj Sharma stated that events like the Tatapani Festival are a powerful means of preserving Chhattisgarh's folk culture and passing it on to the new generation. He expressed gratitude for the love and respect he received from the people of Balrampur district.

Cabinet Minister Ramvichar Netam, other public representatives, administrative officials, and a large number of local citizens were present on the occasion. Cabinet Minister Ramvichar Netam praised Anuj Sharma's performance, saying that through his art, he has strengthened Chhattisgarh's cultural identity at the national level. It

is noteworthy that Anuj Sharma, a Padma Shri awardee, is currently the MLA from Dharsiwan Assembly constituency and plays an active role in both art and public service. His powerful performance on the evening of the first day of the Tatapani Festival made the entire event memorable, generating considerable enthusiasm among the audience for the next two days of events.

'Discussed evolving situation': Jaishankar speaks to Iran FM Araghchi; tensions mount in Middle East

New Delhi,Agency: Iran's foreign minister Seyed Abbas Araghchi on Wednesday held talks with external affairs minister S Jaishankar. EAM Jaishankar noted that the exchange focused on recent developments amid escalating tensions in Iran.

"Received a call from Iranian Foreign Minister Seyed Abbas Araghchi. We discussed the evolving situation in and around Iran," Jaishankar wrote on X.

The discussion came as India issued a fresh advisory urging all its nationals in Iran to leave the country using available means. The Indian embassy in Tehran asked students, pilgrims, businesspeople and tourists to depart via commercial flights, while advising those

who remain to exercise extreme caution and avoid areas affected by protests or demonstrations.

According to estimates, more than 10,000 Indians, including students, are currently living in Iran. The embassy also urged Indian citizens and Persons of Indian Origin (PIOs) to stay in close contact with the mission, keep their travel and immigration documents readily accessible, and ensure registration with the embassy.

"In view of the evolving situation in Iran, Indian nationals who are currently in Iran (students, pilgrims, business persons and tourists) are advised to leave Iran by available means of transport, including commercial flights," the embassy said.

The advisory was issued amid mounting international alarm over Iran's security crackdown on nationwide protests. Rights groups say at least 2,586 people have been killed, making it the deadliest unrest the country has seen in decades.

The protests, which began late last month after the Iranian rial plunged to record lows, have spread to all 31 provinces and evolved from economic grievances into broader demands for political change. US President Donald Trump has warned of potential military action in response to the killings.

"If they hang them, you're going to see some things...

'Unwanted person gets promoted'

RSS chief says Nota not best option; casts vote in NMC

New Delhi,Agency: Rashtriya Swayamsevak Sangh (RSS) chief Mohan Bhagwat on Thursday said "choosing the Nota option indirectly helps promote an unwanted candidate" as he cast his vote in the Nagpur Municipal Corporation (NMC).

Bhagwat was among the early voters in the Nagpur civic body polls. He went to a polling booth in the Mahal area of the city around 7.30 am and exercised his franchise.

The RSS chief said elections are a mandatory part of democracy and hence, voting is the responsibility of all citizens.

He appealed to electors that keeping the public interest in mind, everyone should vote for a suitable candidate during the elections. "Hence, today the first thing I did was to vote," the RSS chief was quoted as saying by news agency. On the None of the

Above option available to voters in elections, he said, "Nota means you reject everyone, and by doing so, we promote a person who is not wanted." He said Nota is an option given to people to express their displeasure, but it is better to vote for someone than not have anyone. Former RSS general secretary and central committee member Bhaiyaji Joshi, who was also among the early voters, stated the importance of voting in elections.

Former chief and tea vendor were shot in the firing

Palamu,Agency: Three rounds of gunfire erupted at a tea stall on Kandu Mohalla Gas Godown Road in the city police station area of ??Medininagar, the Palamu district headquarters, at 9 a.m. on Thursday. Former chief Naveen Prasad (45) was hit in the back, while a tea vendor, Ajit Kumar Gupta (52), was hit in the leg. Even after being shot, former chief Naveen fought the attacker and tried to snatch the pistol. Although unsuccessful, the attacker, seeing Naveen overpower him, fled the scene.

The youth has been identified as Golu Paswan, whose house is adjacent to the scene of the incident. Police are attempting to arrest him. Naveen Prasad has been admitted to a private hospital for better treatment, while the tea vendor is undergoing treatment at MMCH.

According to reports, former

chief Naveen Prasad was sitting at Ajit Prasad's tea stall. Suddenly, Golu Paswan arrived and fired a shot from behind.

One bullet hit Naveen Prasad in the back. However, Naveen Prasad immediately grabbed Golu Paswan's pistol and attempted to snatch it. A scuffle ensued. Two more rounds were fired from the pistol, one hitting the shopkeeper Ajit in the leg.

'Jana Nayagan' row: Setback for actor Vijay's film

SC refuses to entertain plea for CBFC clearance

New Delhi,Agency: In a big setback to actor Vijay, the Supreme Court on Thursday refused to entertain a plea against an order of stay passed by a division bench of the Madras high court over the certification of his movie "Jana Nayagan".

The top court asked KVN production to raise its grievances before a division bench of the Madras HC, which is examining the issue.

A bench of Justices Deepankar Datta and AG Masih asked the Madras high court to decide the matter by January 20.

On January 9, the Madras high court stayed a single judge's order directing the Central Board of Film Certification (CBFC) to immediately grant a censor certificate to Jana Nayagan, leaving the fate of actor-turned-politician Vijay's film uncertain. KVN Productions LLP moved an appeal against the single judge's

directive, after a division bench of the high court last Friday put the order on hold and restrained the CBFC from issuing the certificate.

Vijay recently launched his political party, the Tamilaga Vettri Kazhagam. "Jana Nayagan", widely projected as Vijay's final film before his full-time entry into politics, was scheduled for a Pongal release on January 9. However, the release hit last-minute hurdles after the CBFC failed to issue certification in time. The division bench's order came hours after Justice P T Asha directed the CBFC to clear "Jana Nayagan", setting aside the film board's decision to refer the matter to a review committee.

Subsequently, the first bench comprising Chief Justice M M Shrivastava and Justice G Arul Murugan, acting on an appeal filed by the CBFC, granted an interim stay on the single judge's verdict.

Earlier, while allowing KVN Productions' plea seeking a direction to the CBFC to issue the censor certificate, Justice Asha held that once the board had decided to grant certification, the chairperson had no authority to refer the film to a review committee.

The film board immediately challenged the order before the division bench.

From Chabahar to Kashmir: Why chaos in Iran hurts India, benefits China & Pakistan

New Delhi,Agency: As protests driven by economic distress and political fatigue spread across Iranian cities, New Delhi is watching events unfold with quiet unease. For India, the question is not whether Iran's clerical leadership can weather the unrest, but what a weakened or collapsing Iranian state would mean for India's already constrained strategic environment.

India's engagement with Iran has never been ideological. It has been shaped by geography, access and balance. With Pakistan blocking overland routes to Afghanistan and Central Asia, Iran has long functioned as India's only viable western corridor. It has also acted as a counterweight to Pakistani influence in the region and as a stabilising pillar in India's carefully calibrated West Asia policy, which seeks engagement across rival power blocs.

A sudden weakening or collapse of the Iranian state would not produce a clean transition. It would generate uncertainty at a moment when India's strategic room for manoeuvre is already narrowing — with Bangladesh in uncertainty with reports of minority killings, Pakistan being Pakistan, China expanding its footprint across the region and the US under Donald Trump hurtling the world into one crisis after another.

Any disruption in Iran would ripple outward, reshaping trade routes, diplomatic alignments and security calculations that India has spent decades managing.

For decades, Iran has served as India's most viable land bridge to

Afghanistan and Central Asia. With Pakistan denying India overland access, Tehran became the cornerstone of New Delhi's westward connectivity strategy.

At the heart of this vision lies Chabahar Port. Developed with Indian assistance, Chabahar was designed to give India direct access to the Iranian coast, bypassing Pakistan entirely, and linking onward to Afghanistan and Central Asia through road and rail networks. For India, Chabahar was not merely a commercial port; it was a strategic statement — proof that geography need not be destiny.

JNU professor Rajan Kumar in conversation with the Times of India says: "Iran remains India's most important land bridge to Central Asia, since Pakistan denies India access to overland routes." Even after the Taliban's return to power in Afghanistan and the stalling of rail projects due to sanctions, the logic of Chabahar has not disappeared. If anything, it has become more critical.

A regime change that leads to prolonged instability would place these projects in jeopardy. Connectivity corridors require political coherence, security guarantees and long-term planning. As Kumar warns, "In a post-Khamenei power struggle, Chabahar risks becoming a hostage to instability rather than a strategic asset." For India, losing Iran as a stable transit partner would mean losing its only realistic access point to Central Asia.

How Iran historically balanced Pakistan Iran's value to India has not only been geographic; it has also been strategic. Despite being a Muslim-majority country, Tehran has never aligned itself with Pakistan's anti-India narrative. On the contrary, Iran has consistently opposed Sunni extremist groups that threaten Shia populations — the very networks that have targeted Indian interests over the decades.